RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 32 डिग्री
न्युनतम तापमान 27 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 32 डिग्री
न्युनतम तापमान 26 डिग्री

शनिवार 02 अगस्त 2025
सुर्योदय प्रातः 05 :43 बजे
सूर्यास्त सांय 19 : 12 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 एआई का विस्तार या नौकरी का संकुचन : बड़ी चुनौती

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 16 | अंक : 288 | गाजियाबाद, शनिवार 02 अगस्त 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
BHIM UPI
Paytm
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

NCR MASALA
India's Premium Masala
9410855900
ncrmasala@gmail.com
get online
www.ncrmasala.com
गर्म मसाला, हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा
व अन्य रसोई मसाले

बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण पर रास में हंगामा, स्थगित

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

बिहार में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) तथा कुछ अन्य मुद्दों पर तत्काल चर्चा कराने की मांग को लेकर राज्य सभा में विपक्ष ने शुक्रवार को भी पूर्वाह्न के सत्रों में हंगामा जारी रखा और सदन की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दूसरी बार सोमवार पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी।

शून्य काल में पहले स्थगन के बाद दोपहर 12 बजे कार्यवाही पुनः शुरू होते ही बिहार की मतदाता सूचियों की पुनरीक्षा को लेकर नारेबाजी शुरू कर दी थी। पीठासीन उप-सभापति घनश्याम तिवाड़ी ने विपक्षी सदस्यों से सदन में व्यवस्था बनाये रखने की अपील करते हुए प्रश्न काल की कार्यवाही चलने देने की अपील की। उन्होंने इसी बीच कांग्रेस के विवेक तन्खा का नाम पुकारा और उनसे सवाल पूछने को कहा। इस दौरान अनेक विपक्षी सदस्य अपने-अपने स्थान से उठ कर पीठ के समक्ष आ गये और नारेबाजी तेज कर दी। शोर-शराबे के बीच इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव जवाब देने के लिए उठे, लेकिन सदन में विपक्ष के हंगामे और नारेबाजी के कारण कुछ स्पष्ट सुनायी नहीं दिया।

व्यवस्था बनाये रखने की बार-बार अपील के बावजूद शोर-शराबा बढ़ता देख श्री तिवाड़ी ने कार्यवाही सोमवार पूर्वाह्न 11:00 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। इस मानसून

सत्र में यह लगातार दूसरा सप्ताह है, जब राज्य सभा में शून्यकाल की कार्यवाही नहीं हो सकी और इस दौरान एक दिन को छोड़ कर प्रश्न काल का पूरा समय भी विभिन्न मुद्दों पर कामरोको प्रश्ताव को लेकर विपक्ष के हंगामे की भेंट चढ़ गया।

इससे पहले आज पूर्वाह्न कार्यवाही शुरू होते ही उप सभापति हरिवंश ने विधायी दश्तावेज सदन के पटल पर रखे जाने के बाद कहा कि उन्हें अलग-अलग दलों के सदस्यों से विभिन्न मुद्दों पर नियम 267 के तहत कार्य स्थगन प्रश्ताव के 30 नोटिस मिले हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय जनता दल के प्रो मनोज झा, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के तिरुचि शिवा, कांग्रेस के नीरज डांगी, रजनी पाटिल तथा रेणुका चौधरी, तृणमूल कांग्रेस की सागरिका घोष और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के जॉन ब्रिटास ने बिहार में एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग की है।उन्होंने बताया कि बीजू जनता दल (बीजद) के निरंजन बिशी, सुलता देव तथा सस्मित पात्रा ने ओड़िशा में महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा की घटनाओं, तृणमूल कांग्रेस के समीरूल इस्लाम और मौसम नूर ने बंगाली श्रमिकों के साथ दूसरे राज्यों में भेदभाव, माकपा के ए ए रहीम ने छत्तीसगढ़ में दो नन की गिरफ्तारी, आम आदमी पार्टी के संजय सिंह और समाजवादी पार्टी के रामजीलाल सुमन ने अमेरिका के भारतीय उत्पादों पर लगाये गये आयात शुल्क और माकपा के वी शिवदासन ने सूचना प्रौद्योगिकी सेक्टर में कर्मचारियों की छंटनी के मुद्दे पर नोटिस देकर चर्चा कराने की मांग की है।

श्री हरिवंश ने कहा कि सभी नोटिस नियमों के अनुरूप नहीं हैं और इन्हें स्वीकार नहीं किया गया है।

उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव 9 सितंबर को , अधिसूचना 7 अगस्त

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव 9 सितंबर को कराया जायेगा। इसके लिए अधिसूचना अगले सप्ताह गुरूवार को जारी की जायेगी। चुनाव आयोग द्वारा शुक्रवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए अधिसूचना गुरुवार, 07 अगश्त को जारी की जाएगी। इसके साथ ही नामांकन भरने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

नामांकन पत्र गुरुवार, 21 अगश्त तक भरे जा सकेंगे और नामांकन पत्रों की जांच शुक्रवार 22 अगश्त को की जाएगी। नामांकन सोमवार, 25 अगश्त तक वापस लिए जा सकेंगे।

आयोग ने कहा है कि यदि आवश्यक हुआ तो मतदान मंगलवार, नौ सितंबर को पूर्वाह्न दस बजे से शाम पांच बजे तक कराये जायेंगे। मतगणना उसी दिन मतदान सम्पन्न होने के बाद रिटर्निंग अधिकारी की निगरानी में करायी जाएगी। सभी के मत का मूल्य एक समान (1) होगा।

आयोग ने राज्य सभा के महासचिव प्रमोद चन्द्र मोदी को इस चुनाव के लिए रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया है। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के निर्वाचक मंडल में राज्य सभा के सभी निर्वाचित और मनोनीत सदस्य तथा लोक सभा के सभी निर्वाचित सदस्य शामिल होते हैं। आयोग ने निर्वाचक मंडल की सूची पहले ही तैयार कर ली है जिसमें कुल 788 सदस्यों के नाम हैं।

ऊलजलूल आरोप और धमकियों पर उतर आये हैं राहुल : चुनाव आयोग

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

चुनाव आयोग ने मतदाता सूचियों में गड़बड़ी को लेकर कांग्रेस के नेता राहुल गाँधी के बयान पर तीखी प्रतिक्रया व्यक्त करते हुए शुक्रवार को कहा कि वह ऊलजलूल आरोप लगा रहे हैं और आयोग तथा उसके कर्मियों को डराने-धमकाने पर उतर आये हैं।

आयोग ने कहा है कि वह रोज रोज लगाए जा रहे ऐसे बेबुनियाद आरोपों को नजरअंदाज करता है तथा धमकियों के बावजूद अपने सभी सभी चुनावकर्मियों से ऐसे बयानों पर ध्यान न देने तथा अपना काम निष्पक्ष तथा पारदर्शी तरीके से करते रहने के लिए कहता है। उल्लेखनीय है कि लोक सभा में विपक्ष के नेता श्री गाँधी ने बिहार में मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण अभियान के विरोध में कुछ विपक्षी दलों के अभियान के बीच आज कहा कि चुनाव आयोग वोटों की चोरी करा रहा है। उन्होंने कहा, "हमारे पास सबूत हैं कि चुनाव आयोग वोट चोरी करवा रहा है। मैं शत- प्रतिशत सबूतों के साथ ये बात कह रहा हूं। हम जैसे ही ये सबूत सबके सामने रखेंगे, पूरे देश को पता चल जाएगा कि चुनाव आयोग वोट चोरी करा रहा है।"

श्री गाँधी ने कहा, " चुनाव आयोग में जो भी वोट चुराने का काम कर रहे हैं, उन्हें हम छोड़ेंगे नहीं। क्योंकि आप हिंदुस्तान के खिलाफ काम कर रहे हैं, जो देशद्रोह है। आप कहीं भी हों, चाहे आप रिटायर ही क्यों न हो जाएं, हम आपको ढूंढ निकालेंगे।"

इस बयान पर चुनाव अयोग ने कहा कि कांग्रेस नेता श्री गाँधी को गत 12 जून को एक ई-मेल भेज कर आयोग में अपनी बात रखने के लिए आमंत्रित किया गया था लेकिन वह नहीं आये। उसी दिन उनको एक पत्र भी भेजा गया था लेकिन उसका भी उन्होंने कोई उत्तर नहीं दिया।

सुप्रीम कोर्ट में राजनीतिक दलों को यौन उत्पीड़न विरोधी कानून के दायरे में लाने की याचिका खारिज

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। उच्चतम न्यायालय ने कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 (पोश अधिनियम) के दायरे में राजनीतिक दलों को लाने की मांग वाली एक जनहित याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करने से इनकार कर दिया और कहा कि यह विषय संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने अधिवक्ता योगमाया एम जी की इस याचिका पर विचार करने से मना कर दिया। पीठ ने कहा याचिकाकर्ता से कहा कि अदालत इस मामले में हश्तक्षेप नहीं कर सकती, क्योंकि यह संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है।

'टाटा ग्रुप ने एयर इंडिया को किया बर्बाद, सरकार अपने हाथों में ले' मनीष तिवारी का आरोप

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने टाटा समूह पर एयर इंडिया को बर्बाद करने का आरोप लगाया है। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की है कि एयर इंडिया को तत्काल प्रभाव से टाटा कंपनी से वापस लिया जाए। टाटा ने एयरलाइन को बर्बाद कर दिया है। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "भारत सरकार को एयर इंडिया को टाटा समूह से वापस लेना चाहिए। टाटा ने एयरलाइन को बर्बाद कर दिया है। बिना किसी सूचना के उड़ानें रद्द हो रही हैं और बिना किसी स्पष्टीकरण के फ्लाइटों में देरी हो रही है। पायलट और क्रू ने मुझे बताया कि जो लोग 'टाटा टी' में चाय उगाते हैं, 'टाटा स्टील' में स्टील बनाते हैं, और 'टाटा मोटर्स' में कार बनाते हैं, वे ही एयर इंडिया को चला रहे हैं।"

प्रधानमंत्री किसान निधि की कल 20 वीं किस्त जारी करेंगे मोदी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कल बनारस में विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास के साथ-साथ प्रधानमंत्री किसान निधि की 20 वीं किशत जारी करेंगे। श्री मोदी ने शुक्रवार को यहां एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा," काशी के मेरे परिवारजनों के लिए कल दो अगश्त का दिन बहुत विशेष है। सुबह करीब 11 बजे शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, पर्यटन और कनेक्टिविटी से जुड़े कई प्रोजेक्ट का उद्घाटन और शिलान्यास करूंगा। इस अवसर पर पीएम-किसान की 20 वीं किशत जारी करने का भी सौभाग्य मिलेगा।" उल्लेखनीय है कि पीएम ने शनिवार को अपने संसदीय क्षेत्र में लगभग 2200 करोड़ रुपये की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर वह उपस्थित जनसमूह को भी संबोधित करेंगे।

अमेरिका से 1703 भारतीय को निर्वासित किया गया : कीर्ति वर्धन

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सरकार ने कहा है कि इस साल अमेरिकी सरकार द्वारा कुल 1703 भारतीय नागरिकों को भारत निर्वासित किया गया जिनमें 1562 पुरुष और 141 महिलाएं थीं। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने लोकसभा में शुक्रवार को एक लिखित जवाब में कहा कि बीस जनवरी से 22 जुलाई 2025 के बीच अमेरिकी सरकार द्वारा कुल 1703 भारतीय नागरिकों को भारत निर्वासित किया गया। इनमें 1562 पुरुष और 141 महिलाएं थीं। श्री सिंह ने कहा कि विदेश मंत्रालय निर्वासन प्रक्रिया के दौरान निर्वासितों के साथ मानवीय व्यवहार सुनिश्चित करने के लिए अमेरिकी पक्ष के साथ लागातार संपर्क में है। मंत्रालय ने निर्वासितों के साथ व्यवहार, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों पर बेड़ियों के इश्तेमाल के संबंध में, अमेरिकी अधिकारियों के समक्ष अपनी चिंताओं को दृढता से दर्ज कराया है।

भारत के 70 प्रतिशत बुजुर्ग आर्थिक रूप से निर्भर : रिपोर्ट

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारत की लगभग 70 प्रतिशत बुजुर्ग आबादी आर्थिक रूप से निर्भर है तथा कई लोग सेवानिवृत्ति के बाद भी जीवन यापन के लिए काम करना जारी रखते हैं। यह जानकारी एक नई रिपोर्ट से सामने आयी है। भारत में वृद्धावस्थाः चुनौतियां और अवसर' नामक अध्ययन को 'संकल्प फाउंडेशन' ने नीति आयोग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के साथ साझेदारी में जारी किया।

यह रिपोर्ट भारत में लॉन्गिट्यूडिनल एजिंग स्टडी (एलएएसआई) के निष्कर्षों पर आधारित है, जो भारत की तेजी से बूढ़ी होती जनसंख्या का विश्तृत विवरण प्रश्तुत करती है। रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि बेहतर जीवन प्रत्याशा के बावजूद अनेक भारतीय बुजुर्ग आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी असुरक्षाओं के साथ जी रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि लगभग 6.4 प्रतिशत बुजुर्गों ने अपने भोजन की मात्रा कम कर दी, 5.6 प्रतिशत बिना खाए भूखे रहे और 4.2 प्रतिशत ने पिछले वर्ष में कम से कम एक बार पूरे दिन कुछ नहीं खाया।

ओडिशा (37.1 प्रतिशत) और उत्तर प्रदेश (36.6 प्रतिशत) में कम वजन वाले बुजुर्गों की संख्या सबसे अधिक पाई गई, जबकि दादरा और नागर हवेली 40.1 प्रतिशत के साथ केंद्र शासित प्रदेशों में सबसे आगे रहा।

पंजाब (28 प्रतिशत) और चंडीगढ़ (21.5 प्रतिशत) में अधिक वजन और मोटापा सबसे अधिक पाया गया। 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के 35.6 प्रतिशत लोग हृदय रोग, 32 प्रतिशत उच्च रक्तचाप और 13.2 प्रतिशत मधुमेह

से पीड़ित पाये गए। गोवा और केरल में हृदय रोग की दर सबसे अधिक (क्रमशः 60 प्रतिशत और 57 प्रतिशत) है, जबकि मधुमेह केरल (35 प्रतिशत), पुडुचेरी (28 प्रतिशत) और दिल्ली (26 प्रतिशत) में सबसे अधिक पाया जाता है।

हड्डियों और जोड़ों की समस्याएं भी चिंता का विषय हैं, 19 प्रतिशत बुजुर्ग ऐसी समस्याओं से पीड़ित हैं। तेलंगाना में सबसे अधिक 33 प्रतिशत मामले पाए जाते हैं, जबकि गठिया रोग सबसे अधिक जम्मू कश्मीर (22 प्रतिशत) तथा सभी दक्षिणी राज्यों में पाया जाता है।

मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं, 30 प्रतिशत बुजुर्ग अवसादग्रश्त लक्षणों का अनुभव कर रहे हैं तथा 8 प्रतिशत में संभावित गंभीर अवसाद के लक्षण दिखाई दे रहे हैं।

आयु-आधारित भेदभाव प्रचलित है, विशेष रूप से दिल्ली में, जहां 12.9 प्रतिशत बुजुर्ग उत्तरदाताओं ने बताया कि उन्हें एक प्रकार का भेदभाव झेलना पड़ा है तथा 12.3 प्रतिशत ने बताया कि उन्हें दो या अधिक प्रकार के भेदभाव का सामना करना पड़ा है।

एनआईए ने दाऊद गिरोह के गुर्गे की गुजरात में संपत्ति कुर्क की

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने पाकिश्तान में रह रहे भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के एक सहयोगी की गुजरात के भरूच में स्थित दो अचल संपत्तियां 2015 के एक दोहरे हत्याकांड के सिलसिले में कुर्क की हैं। यह जानकारी अधिकारियों ने शुक्रवार को दी।

अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी मोहम्मद यूनुस उर्फ मंजरो की संपत्ति को मामले में अहमदाबाद स्थित एनआईए की विशेष अदालत के आदेश पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत कुर्क कर लिया गया है।

जांच एजेंसी द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है, ''कुर्क की गई संपत्तियों में भरूच शहर के वार्ड नंबर 3, सिटी सर्वे नंबर 3614 (कुल क्षेत्रफलः 143.96 वर्ग मीटर) का उसका आवासीय मकान और भरूच शहर के वार्ड नंबर 3, सिटी सर्वे नंबर 3615 (कुल क्षेत्रफलः 29.59 वर्ग मीटर) शामिल है।' इसमें कहा गया है कि मंजरो को नवंबर 2015 में भाजपा कार्यकर्ताओं – शिरीष बंगाली और प्रग्नेश मिस्त्री – की हत्या और आपराधिक साजिश में उसकी भूमिका के लिए गिरफ्तार किया गया था।

केरल में 2025 में निपाह वायरस के तीन मामले सामने आए, 677 संपर्कों का पता चला : सरकार

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

स्वास्थ्य राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने शुक्रवार को लोकसभा को बताया कि केरल के मलप्पुरम और पलक्कड़ जिलों में 2025 में निपाह वायरस संक्रमण के तीन मामले सामने आए हैं और 677 संपर्कों का पता लगाया गया है। जाधव ने एक लिखित उत्तर में कहा कि निपाह के प्रकोप को रोकने के लिए सरकार द्वारा नियंत्रण उपाय शुरू किए गए हैं और कदम उठाए गए हैं।

यह संक्रमण निपाह वायरस (एनआईवी) के कारण होने वाला एक उभरता हुआ जूनोटिक संक्रामक रोग है। यह मुख्य रूप से सूअरों और मनुष्यों को प्रभावित करता है।

जाधव ने बताया कि मनुष्यों में निपाह के मामले आमतौर पर एक समूह में या प्रकोप के रूप में होते हैं, खासकर निकट संपर्कों और देखभाल करने वालों में।

जाधव ने कहा कि भारत में, अधिकांश संक्रमण खजूर के पेड़ों से रस इकट्ठा करने के साथ ही होते हैं। जाधव ने कहा कि इसी वजह से कुछ इलाकों में निपाह के मामले बार-बार सामने आते हैं।

निपाह रोग के प्रकोप को रोकने के लिए शुरू किए गए नियंत्रण उपायों का जिक्र करते हुए, जाधव ने कहा कि निगरानी तंत्र के माध्यम से प्रारंभिक चेतावनी संकेतों को एकत्रित करके अलर्ट जारी किए जाते हैं, शुरुआती चरण में ही प्रकोप का पता लगाया जाता है और प्रकोप की जांच की जाती है और संबंधित जन स्वास्थ्य एजेंसियों द्वारा रोग के प्रसार को नियंत्रित करने और रोकने के लिए समय पर उचित उपाय किए जाते हैं।

इन प्रकोपों के व्यापक मूल्यांकन और समीक्षा के लिए पशुपालन एवं डेयरी, वन एवं वन्यजीव तथा मानव स्वास्थ्य विभाग के विशेषज्ञों वाली एक राष्ट्रीय संयुक्त प्रकोप प्रतिक्रिया टीम (एनजेओआरटी) और चमगादड़ सर्वेक्षण टीम को तैनात किया गया है।

ई-कॉमर्स के लिए नियामक नियुक्त करने की जरूरत : उद्योग व्यापार मंडल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारतीय उद्योग व्यापार मंडल (बीयूवीएम) ने शुक्रवार को केंद्र सरकार से ई-कॉमर्स क्षेत्र के लिए नियामक नियुक्त करने और जीएसटी स्लैब की संख्या घटाकर तीन करने का आग्रह किया।

बीयूवीएम के अध्यक्ष बाबू लाल गुप्ता ने यहां संवाददाताओं से कहा, 'सरकार कारोबारी सुगमता पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इसमें जीएसटी के कई कर स्लैब का होना एक बड़ी समस्या रही है। इससे सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) और व्यापारी समुदाय के लिए समान रूप से चुनौतियां पैदा होती हैं।' गुप्ता ने कहा, 'हमने सरकारी अधिकारियों को पत्र लिखकर जीएसटी दरों को तीन स्लैब (शून्य प्रतिशत, पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत) में लाकर युक्तिसंगत बनाने का सुझाव दिया है। अगर इसे स्वीकार कर लिया जाता है तो इससे उच्च जीडीपी वृद्धि का राश्ता साफ होगा।'

बीयूवीएम ने ई-कॉमर्स कारोबार में त्वरित लेकिन अनियमित वृद्धि को स्वीकार करते हुए बाजार खराब करने वाले मूल्य निर्धारण को रोकने में मदद के लिए एक नियामक की स्थापना की भी मांग की।

उद्योग मंडल ने कहा कि ई-कॉमर्स मंचों पर कीमतें घटाकर बिक्री करने से खुदरा दुकानदारों के लिए समस्याएं पैदा होती हैं। ऐसे में इस क्षेत्र के लिए नियामकीय ढांचा तैयार होने से व्यापारियों को राहत मिलेगी।

बीयूवीएम के राष्ट्रीय वरिष्ठ महासचिव मुकुंद मिश्रा ने कहा कि विभिन्न राज्यों में मंडी उपकर में व्यापक अंतर का मुद्दा उठाते हुए कहा कि इसे एकसमान करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा, 'यह उपकर आमतौर पर शून्य से चार प्रतिशत के बीच है। सभी राज्यों में एकसमान कृषि मंडी उपकर लगाया जाना चाहिए, जो 100 रुपये पर 50 पैसे का हो।

प्रतिभाशाली युवाओं को भारत के भविष्य को आकार देना चाहिए : आईआईटी-आईएसएम के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति

✷ वेबवार्ता. रांची ✷

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को देश के प्रतिभाशाली युवाओं से अपनी तकनीकी शिक्षा का उपयोग समाज की भलाई के लिए करने का आह्वान किया और आग्रह किया कि वे अपनी उपलब्धियों को केवल व्यक्तिगत सफलता तक सीमित ना रखें।

राष्ट्रपति धनबाद स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-भारतीय खनि विद्यापीठ (आईआईटी-आईएसएम) के 45वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थीं। इस मौके पर उन्होंने संस्थान के एक विशेष लिफाफे सहित एक विशेष डाक टिकट जारी किया जो संस्थान के 100 गौरवशाली वर्षों की याद दिलाएगा।

मुर्मू ने कहा, ''प्रतिभाशाली युवा मश्तिष्क को भारत के भविष्य को आकार देना चाहिए और सामाजिक एवं राष्ट्रीय मुद्दों को सुलझाने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। एक न्यायपूर्ण भारत, एक हरित भारत के निर्माण के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करें जहां विकास पर्यावरण और प्रकृति की कीमत पर ना हो।''

वर्ष 2024-25 बैच के कुल 1,880 छात्रों को विभिन्न विषयों में उपाधि (1,055 स्नातक और 711 स्नातकोत्तर) प्रदान की गईं। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत एक तकनीकी महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने विद्यार्थियों से नवाचार और 'स्टार्टअप' पर ध्यान केंद्रित करने की अपील की। उन्होंने 'आदिवासी विकास उत्कृष्टता केंद्र' जैसी पहलों के माध्यम से आदिवासी युवाओं और वंचित महिलाओं को सशक्त करने के लिए आईआईटी-आईएसएम के प्रयासों की सराहना की। दीक्षांत समारोह के दौरान मुर्मू ने कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में शीर्ष स्थान हासिल करने वाले बी.टेक स्नातक प्रियांशु शर्मा को राष्ट्रपति स्वर्ण पदक प्रदान किया। मुर्मू आईआईटी-आईएसएम के दीक्षांत समारोह में शामिल होने वालीं दूसरी राष्ट्रपति हैं।

इसके पहले तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने 10 मई, 2014 को आयोजित इस संस्थान के 36वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए थे। एक अधिकारी ने कहा, ''दीक्षांत समारोह का विशेष महत्व है क्योंकि यह संस्थान के शताब्दी समारोह का एक अहम हिस्सा है, जो विज्ञान, प्रौद्योगिकी और शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के लिए 100 वर्षों के अटूट समर्पण का प्रतीक है।''

वर्ष 1926 में नौ दिसंबर को स्थापित इस संस्थान ने अपनी यात्रा भारतीय खान एवं अनुप्रयुक्त भूविज्ञान विद्यालय के रूप में शुरू की थी। लंदन स्थित रॉयल स्कूल ऑफ माइंस की तर्ज पर इस संस्थान की स्थापना भारत के तेजी से बढ़ते खनन उद्योग के लिए उच्च कुशल पेशेवरों को प्रशिक्षित करने के विशिष्ट उद्देश्य से की गई थी।

किसान महापंचायत को लेकर झालू में रणनीतिक बैठक सम्पन्न, कार्यकर्ताओं के उत्साह से जिलाध्यक्ष गदगद

✸ एनसीआर टुडे. झालू ✸। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की एक महत्वपूर्ण बैठक झालू के मोहल्ला चौधरियान में डॉ. कर्मेंद्र चौधरी के निवास पर सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता मास्टर गिरिराज सिंह ने की, जबकि संचालन मुनि देव ने किया। बैठक के मुख्य अतिथि भाकियू (टिकैत) के जिला अध्यक्ष सुनील प्रधान रहे। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से 13 अगस्त को होने वाली महापंचायत में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि महापंचायत 13 अगस्त को प्रातः 11 बजे कलेक्ट्रेट में आयोजित होगी,। जो किसानों की समस्याओं को लेकर एक निर्णायक स्वरूप लेगी। सभी उपस्थित पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में भरोसा दिलाया कि वे निर्धारित समय पर महापंचायत में शामिल होंगे और इसे ऐतिहासिक बनाएंगे। बैठक में कई प्रमुख पदाधिकारी मौजूद रहे। जिनमें पश्चिम उत्तर प्रदेश महासचिव कुलदीप सिंह, युवा जिला अध्यक्ष मनप्रीत सिंह, जिला उपाध्यक्ष प्रमोद सिंह, नगर अध्यक्ष डॉ. कर्मेंद्र सिंह, मुनेंद्र सिंह, धर्मेंद्र कुमार, जयपाल सिंह, सुरेंद्र सिंह, रघुनाथ सिंह व दिनेश कुमार शामिल रहे। यह बैठक भाकियू (टिकैत) की आगामी महापंचायत को लेकर एकजुटता और रणनीति निर्माण के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण रही।

नगर पालिका चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी के कार्यों की सराहना, शहर में दिख रहा है साफ बदलाव

✸ एनसीआर टुडे. सहानपुर ✸। नगर पालिका के वर्तमान चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी द्वारा किए जा रहे कार्यों की इन दिनों क्षेत्र में जमकर सराहना हो रही है। जनहित में लिए गए कई निर्णयों और जमीन पर उतरकर किए गए कार्यों की वजह से शहर की तस्वीर बदलती नजर आ रही है। चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी ने सफाई व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए पूरे क्षेत्र में नियमित कूड़ा-कचरा निस्तारण की व्यवस्था लागू करवाई है। नतीजतन, शहर की गलियों और सड़कों पर अब गंदगी का नामोनिशान नहीं है। साफ-सुथरा माहौल लोगों को राहत दे रहा है और बीमारियों पर भी अंकुश लग रहा है। इसके अलावा, क्षेत्र के छात्रों के लिए एक अत्याधुनिक पुस्तकालय (लाइब्रेरी) की स्थापना की गई है, जिससे पढ़ने वाले युवाओं को बेहतर माहौल और सुविधाएं मिल रही हैं। यह पहल खासतौर पर छात्र-छात्राओं में काफ़ी लोकप्रिय हो रही है। स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों से समन्वय बनाकर चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी क्षेत्र की अन्य समस्याओं का भी समाधान करने में लगे हुए हैं। जनता का विश्वास बढ़ा है और लोग आशा कर रहे हैं कि इसी तरह सहानपुर का विकास निरंतर जारी रहेगा।

होमगार्ड चेतराम को थाने में दी गई भावभीनी विदाई

✸ एनसीआर टुडे. नहटौर ✸। सेवानिवृत्त हुए होमगार्ड चेतराम सिंह का विदाई कार्यक्रम हुआ। नहटौर थाने में आयोजित सम्मानित समारोह में थानाध्यक्ष धीरज नागर व अधिकारियों ने चेतराम सिंह को सम्मानित किया। होमगार्ड चेतराम सिंह को थाने की गाड़ी द्वारा उनके घर तक पहुंचाया गया। इस अवसर पर वीओ अवेंद्र सिंह, सीसी वीरेश पाल, पीसी रविंद्र त्यागी, पीसी सलीम अहमद, एच जी सोहित कुमार, परकुल चौधरी, नकुल, सहदेव, वरुण, करण, हरीराज, अनिल सरताज आदि मौजूद रहे।

अभिभावकों ने विद्यालय पहुंचकर भैया बहिनों की प्रगति के बारे में जाना

✸ एनसीआर टुडे. नगीना ✸। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान से संबंध सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज रामलीला बाग नगीना में आचार्य अभिभावक संवाद संपन्न हुआ। इस अवसर पर अभिभावकों और आचार्यों के मध्य भैया बहिनों के सर्वांगीण विकास पर वार्ता हुई। शिक्षकों और अभिभावकों की संयुक्त वार्ता आयोजित की गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य ने की। वार्ता का उद्देश्य छात्राओं की शैक्षणिक प्रगति, उपस्थिति, अनुशासन और समग्र विकास को लेकर बेहतर संवाद स्थापित करना बड़ी संख्या में अभिभावकों ने इसमें भाग लिया और विद्यालय प्रशासन की सराहना की। प्रधानाध्यापिका ने अभिभावकों से बच्चों की पढ़ाई पर निगरानी रखने और समय-समय पर शिक्षकों से संवाद बनाए रखने की अपील की। अभिभावकों ने विद्यालय की शिक्षण व्यवस्था पर संतोष जताया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य सहित कई शिक्षक उपस्थित रहे।

दोनों नन बेकसूर, मारपीट कर झूठा बयान दिलवाया

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में मानव तस्करी और जबरन धर्मांतरण के जिस मामले में केरल की दो ननों को गिरफ्तार किया गया है, उसकी पीड़िता ने अपने बयान से पलटते हुए सनसनीखेज दावा किया है। उसका कहना है कि वह अपनी मर्जी से नौकरी करने के लिए ननों के साथ जा रही थी, इसी दौरान रेलवे स्टेशन पहुंचे बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने उनके साथ मारपीट करते हुए उन्हें झूठा बयान देने पर मजबूर किया था। आरोप लगाने वाली युवती का नाम कमलेश्वरी प्रधान है, जिसका दावा है कि पुलिस ने भी उसका बयान ठीक से दर्ज नहीं किया। वहीं जबरन धर्मांतरण के आरोपों पर उसने कहा कि वह खुद को ईसाई मानती है और उसका परिवार बीते चार-पांच सालों से इसी धर्म का पालन कर रहा है।

नारायणपुर जिला मुख्यालय से करीब 10 किमी दूर कुकुराझोर गांव में रहने वाली 21 वर्षीय युवती का कहना है कि हम अपनी मर्जी से मिशन अस्पताल में काम करने के लिए भोपाल जा रही थीं। इसी बीच दुर्ग रेलवे स्टेशन पर आए बजरंग दल के लोग हमें पकड़कर ले गए और तीनों के खिलाफ झूठा मामला बनवा दिया। उन्होंने मेरे साथ मारपीट करते हुए मुझे डराया भी। युवती के माता-पिता जो कि किसान हैं, उन्होंने भी दावा किया कि मामले में गिरफ्तार की गई दो नन और एक अन्य व्यक्ति निर्दोष हैं और उन्हें जेल से रिहा किया जाना चाहिए। हालांकि, बजरंग दल की दुर्ग इकाई के संयोजक रवि निगम ने संगठन पर लगे सभी आरोपों से इनकार किया है। पीटीआई से बात करते हुए रवि निगम ने कहा, हमने ना तो किसी को धमकाया है और ना ही किसी के साथ मारपीट की है। रेलवे स्टेशन पर सीसीटीवी कैमरे भी लगे हुए हैं, जिनकी जांच करने पर सच्चाई बाहर आ जाएगी। केरल की नन प्रीति मैरी और वंदना फ्रांसिस को सुखमन मंडावी के साथ 25 जुलाई को राज्य के दुर्ग रेलवे स्टेशन पर राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने गिरफ्तार किया था। यह कार्रवाई बजरंग दल के एक स्थानीय पदाधिकारी की शिकायत पर की गई थी, जिसमें ननों पर आदिवासी बहुल नारायणपुर जिले की तीन महिलाओं का जबरन धर्म परिवर्तन कराने और उनकी तस्करी करने का आरोप लगाया गया था। नारायणपुर के अबूझमाड़ क्षेत्र में स्थित अपने गांव कुकराझोर में पीटीआई से बात करते हुए कमलेश्वरी ने दावा किया कि हम तीनों लड़कियों की तस्करी नहीं की जा रही थी, बल्कि हम तो अपनी इच्छा और अपने माता-पिता की सहमति से उनके साथ जा रही थीं। युवती ने बताया, मैं अपने माता-पिता की सहमति से ननों के साथ आगरा जा रही थी। वहां से हम भोपाल जाने वाले थे जहां हमें एक ईसाई अस्पताल में काम दिया जाना था। हमें भोजन, कपड़े और रहने की जगह के साथ 10,000 रुपए प्रति महीना वेतन भी देने का वादा किया गया था।

बीकानेर में खेलते हुए बच्चे की गर्दन में फंसी स्कूल टाई दम घुटने से मौत

बीकानेर, एजेंसी। राजस्थान के बीकानेर जिले की डूंगरगढ़ तहसील के गुसाईसर बड़ा गांव में बुधवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ। 10 साल का मासूम कानाराम स्कूल से लौटने के बाद अपनी बहन के साथ घर के कमरे में खेल रहा था। इसी दौरान उसकी स्कूल यूनिफॉर्म की टाई पलंग के पीछे लगी खूंटी में फंस गई। टाई धीरे-धीरे गर्दन में कसती गई और मासूम छटपटाता रह गया। जब तक कोई कुछ समझ पाता, तब तक उसका दम घुट चुका था।

बच्चा फर्श पर बेहोश पड़ा मिला। परिजन उसे तत्काल डूंगरगढ़ के उप जिला अस्पताल लेकर भागे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के समय उसकी मां रसोई में खाना बना रही थी। उन्होंने बच्चों को खाने के लिए आवाज दी, लेकिन जब कोई जवाब नहीं आया तो वह कमरे की ओर गईं। दरवाजा खोलते ही उन्हें बेटे की हालत देखकर झटका लगा।

मां की चीख सुनकर परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे और आनन-फानन में बच्चे को अस्पताल लेकर दौड़े। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने साफ कहा कि बच्चे की मौत पहले ही हो चुकी थी। बच्चे के पिता और दादा उसे गोद में लेकर अस्पताल भागे थे, लेकिन उनकी कोशिश नाकाम रही। अस्पताल में ही बच्चे की मां बेहोश होकर गिर पड़ी। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

घटना की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। लेकिन परिजनों ने किसी भी प्रकार की पुलिस कार्रवाई से इनकार कर दिया। उनका कहना था कि यह एक हादसा है, और वे कोई शिकायत नहीं करना चाहते। गांव के लोगों ने बताया कि कानाराम बेहद होशियार और शांत स्वभाव का बच्चा था। वह रोज स्कूल जाता था और पढ़ाई में आगे था। घटना के बाद गांव में गहरा सन्नाटा पसरा हुआ है।

घटना से यह भी स्पष्ट हुआ है कि घरों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर सतर्कता बेहद जरूरी है। दीवारों पर लगे हुक, खुली जगहों पर लटकती रस्सियां या कपड़े टांगने वाले साधारण से दिखने वाले सामान भी कई बार जानलेवा साबित हो सकते हैं। मासूम की मौत के बाद पूरे गांव में मातम है। हर कोई स्तब्ध है कि एक खेल खेलते हुए इतनी बड़ी अनहोनी हो सकती है।

मालेगांव केस में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को पकड़ने का था दबाव

पुणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के मालेगांव में 2008 में हुए विस्फोट मामले की जांच करने वाले महाराष्ट्र आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) के एक पूर्व पुलिस अधिकारी ने दावा किया है कि उन पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत को गिरफ्तार करने का दबाव था और ऐसा करने के लिए कहा गया था। इस मामले में भाजपा की पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर समेत सभी सात आरोपियों को बरी करने के निचली अदालत के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए महाराष्ट्र एटीएस के रिटायर्ड इन्स्पेक्टर महबूब मुजावर ने कहा कि भागवत को गिरफ्तार करने के आदेश का उद्देश्य 'भगवा आतंकवाद' को स्थापित करना था। उन्होंने सोलापुर में कहा कि अदालत के फैसले ने एटीएस के फर्जीवाड़े को नकार दिया है। शुरू में एटीएस ने मामले की जांच की थी, लेकिन बाद में इसे राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण ने अपने हाथ में ले लिया था। मुजावर ने एक वरिष्ठ अधिकारी का नाम लेते हुए कहा, ''इस फैसले ने एक फर्जी अधिकारी द्वारा की गई फर्जी जांच को उजागर कर दिया है।'' उन्होंने कहा कि वह 29 सितंबर 2008 को मालेगांव में हुए विस्फोट की जांच करने वाली एटीएस टीम का हिस्सा थे, जिसमें छह लोग मारे गए थे और 101 अन्य घायल हुए थे। उन्होंने दावा किया कि उन्हें मोहन भागवत को 'पकड़ने' के लिए कहा गया था। उन्होंने कहा, ''मैं यह नहीं कह सकता कि एटीएस ने उस समय क्या जांच की और क्यों... लेकिन मुझे राम कलसांगरा, संदीप डांगे, दिलीप पाटीदार और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत जैसी हस्तियों के बारे में कुछ गोपनीय आदेश दिए गए थे। ये सभी आदेश ऐसे नहीं थे कि उनका पालन किया जा सके।'' मुजावर ने कहा कि दरअसल, उन्होंने उनका पालन नहीं किया क्योंकि उन्हें हकीकत पता थी। उन्होंने आरोप लगाया, ''मोहन भागवत जैसी बड़ी हस्ती को पकड़ना मेरी क्षमता से परे था। चूंकि मैंने आदेशों का पालन नहीं किया, इसलिए मेरे खिलाफ झूठा मामला दर्ज किया गया और इसने मेरे 40 साल के करियर को बर्बाद कर दिया।'' पूर्व पुलिस अधिकारी ने कहा कि उनके पास अपने दावों के समर्थन में दस्तावेजी सबूत हैं। उन्होंने कहा, ''कोई भगवा आतंकवाद नहीं था। सब कुछ फर्जी था।''

101 साल के स्वतंत्रता सेनानी को हाईकोर्ट ने दिया पेंशन देने का आदेश

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा हाईकोर्ट ने मंगलवार को राज्य सरकार को फटकार लगाते हुए एक 101 वर्षीय शख्स को सैनिक सम्मान पेंशन देने का आदेश दिया है। उच्चतम न्यायालय ने सुनवाई के दौरान कहा है कि सरकार का यह दावा कि उसने अपनी उम्र 10 साल बढ़ाने के लिए मतदाता सूची में हेराफेरी की थी, महज एक पूर्वधारणा है। कोर्ट ने यह भी कहा है कि देश को गुलामी से निकालकर स्वतंत्रता के लिए लड़ने वाले सेनानियों का सम्मान किया जाना चाहिए। जस्टिस शशिकांत मिश्रा ने कहा कि सरकार ने तर्क दिया था कि ब्रह्मानंद जेना नाम के शख्स ने इस योजना के तहत पेंशन का लाभ उठाने के लिए मतदाता सूची में अपनी उम्र 10 साल बढ़ा ली थी। हालांकि कोर्ट ने कहा कि तर्क को सही साबित करने के लिए सरकार कोर्ट के सामने कागज का एक टुकड़ा भी पेश नहीं कर पाई। गौरतलब है कि नयागढ़ जिले के जेना ने 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में शामिल का हवाला देते हुए फरवरी 1981 में पेंशन के लिए आवेदन किया था। गृह मंत्रालय ने मई 1984 में उनका मामला ओडिशा सरकार को भेज दिया। इसके बाद उन्होंने जुलाई 1989 में सीधे राज्य के वित्त विभाग में पेंशन के लिए आवेदन किया लेकिन जेना का आवेदन स्वीकार नहीं किया गया। उन्होंने मार्च 2019 में फिर से आवेदन जमा किया, लेकिन अधिकारियों ने उनके उम्र के दावों को लेकर उनकी मांग खारिज कर दी। राज्य सरकार ने दावा किया था कि जेना ने 2002 की मतदाता सूची में अपनी उम्र में हेराफेरी की थी और पात्रता की शर्तों को पूरा करने के लिए उन्होंने अपनी उम्र दस साल बढ़ा ली। हालांकि कोर्ट ने इन दावों को खारिज कर दिया।

गुरुग्राम के 50 गांवों में पहुंचेंगी हरियाणा रोडवेज की बसें, रूट सर्वे शुरू, लोगों को मिलेगी राहत

गुरुग्राम, एजेंसी। हरियाणा के परिवहन मंत्री ने गुरुग्राम समेत राज्य के सभी गांवों तक रोडवेज बस सेवा पहुंचाने के लिए रोडवेज अधिकारियों को सख्त आदेश दिए हैं। इस फैसले से गुरुग्राम के 50 से अधिक गांव के लोगों को अब रोडवेज बसों की सुविधा मिल पाएगी। साथ ही उन छोटे गांवों के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी, जहां अब तक रोडवेज की बसें नहीं पहुंच पा रही थीं और उन्हें बस पकड़ने के लिए दूसरे गांवों तक जाना पड़ता था। परिवहन मंत्री के निर्देशानुसार, अब रोडवेज की एक-एक बस सुबह और शाम को इन छोटे गांवों में जाएगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को आवागमन में सुविधा होगी। यह कदम ग्रामीण इलाकों में सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने और लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को भी खूब फायदा मिलेगा, जिससे वह सुबह के समय आसानी से शहर में स्कूल-कॉलेजों में पहुंच सकेंगे। बता दें कि अभी तक रोडवेज की बसें सिर्फ मुख्य रूटों पर संचालित की जा रही है, जिसमें कस्बा या किसी बड़े गांव के रूटों पर ही यह बसें चल रही थी। अब रोडवेज की तरफ से सभी गांव को रोडवेज की बसों का संचालन शुरू किया जाएगा। रोडवेज की तरफ से गुरुग्राम में सोहना क्षेत्र के 20 से अधिक गांव, फर्रुखनगर के 15, पटौदी के 15 छोटे गांव को फायदा मिलेगा। रोडवेज डिपो में 200 से अधिक बसें सौ से अधिक रूटों पर संचालित की जा रही हैं। छोटे गांव में सुबह व शाम के समय एक-एक बसों का ही संचालन करने की तैयारी है। अधिकारियों ने बताया कि छोटे गांव के रूटों को लेकर सर्वे करके जल्द बसों का संचालन शुरू करवाया जाएगा। मंत्री के आदेश के बाद रोडवेज ने ऐसे गांवों की तलाश शुरू कर दी है, जहां अभी तक बस सेवा उपलब्ध नहीं है। इसके लिए विस्तृत रूट सर्वे किया जाएगा। सर्वे पूरा होने के बाद ही बसों की समय सारणी जारी की जाएगी, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि बसें सही समय पर और नियमित रूप से इन गांवों तक पहुंचें।

गाजियाबाद में जीडीए की ताबड़तोड़ कार्रवाई, बुलडोजर लगाकर गिराया अवैध निर्माण

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद जिले में अतिक्रमण और अवैध कब्जों के खिलाफ इन दिनों जीडीए (गाजियाबाद विकास प्राधिकरण) की ताबड़तोड़ कार्रवाई देखी जा रही है। जीडीए की टीम ने लगातार दूसरे दिन गुरुवार को भी एक भूखंड पर किए गए अवैध निर्माण को बुलडोजर लगाकर जमींदोज कर दिया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, यह कार्रवाई प्रवर्तन जोन सात की टीम ने राजेंद्रनगर में अंजाम दी। प्रवर्तन जोन सात की टीम ने राजेंद्रनगर में गुरुवार को सेक्टर-5 स्थित भूखंड पर किए गए अवैध निर्माण को ध्वस्त किया। जीडीए के मुताबिक, निर्माणकर्ता विनोद कुमार कौशिक ने स्वीकृत नक्शे का अनुपालन नहीं किया था। अधिकारियों की मानें तो नक्शे का अनुपालन जरूरी है। आरोपी ने स्वीकृत नक्शे के विपरीत अतिरिक्त तल बना लिया था। जीडीए की टीम ने इसे सील कर नोटिस दिया था। निर्माणकर्ता से इस बारे में जवाब तलब किया गया था। बताया जाता है कि निर्माणकर्ता की ओर से इस नोटिस का जवाब नहीं दिया गया। इसके बाद जीडीए ने बुलडोजर चलाने का फैसला किया। अधिकारियों ने बताया कि जीडीए की एक टीम गुरुवार को पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची। इसके बाद अवैध निर्माण को गिरा दिया गया। निर्माणकर्ता ने इस कार्रवाई का विरोध करने की कोशिश की लेकिन पुलिस बल के कारण कार्रवाई नहीं रुकी। एक दिन पहले ही बुधवार को जीडीए ने बुलडोजर चलाकर तीन अवैध तीन इमारतों को जमींदोज कर दिया था। बताया जाता है कि जीडीए जोन एक की प्रवर्तन टीम बुधवार को ग्राम मोरटा पहुंची और अवैध रूप से बनाई जा रही 3 इमारतों पर बुलडोजर चलाकर उन्हें ध्वस्त कर दिया। अवैध निर्माण में एक गोदाम भी शामिल था।

हिमाचल में शुरू होगी लॉटरी, आपदा प्रभावितों को किराया और आशा वर्करों की भर्ती का भी ऐलान

शिमला, एजेंसी। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में गुरुवार को कई बड़े फैसले लिए गए। सबसे बड़ा निर्णय प्रदेश में करीब दो दशक बाद फिर से लॉटरी शुरू करने का है। इसके अलावा राज्यपाल के लिए 92 लाख रुपये की नई मर्सिडीज कार खरीदी जाएगी, हिमाचल विधानसभा का मॉनसून सत्र 18 अगस्त से 2 सितंबर तक बुलाया जाएगा, आपदा प्रभावितों को छह माह तक किराया सहायता दी जाएगी और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती देने के लिए 290 आशा वर्कर के पदों को भरा जाएगा।

कैबिनेट की बैठक में वित्तीय स्थिति को सुधारने के लिए बंद पड़ी लॉटरी को फिर से शुरू करने का फैसला हुआ है। उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने बताया कि इससे प्रदेश को हर साल 50 से 100 करोड़ रुपये की आय हो सकती है। लॉटरी का संचालन टेंडर प्रक्रिया से होगा और पंजाब, केरल जैसे राज्यों की तर्ज पर इसे लागू किया जाएगा। सरकार का मानना है कि इससे सरकारी खजाने को नई ताकत मिलेगी। कैबिनेट ने हिमाचल के राज्यपाल के लिए 92 लाख रुपये की मर्सिडीज कार खरीदने की भी मंजूरी दी है। उद्योग मंत्री ने बताया कि वर्तमान वाहन पांच साल पुराना हो चुका है और उसे बदलने की ज़रूरत थी, इसलिए नई गाड़ी खरीदी जाएगी। कैबिनेट ने राज्यपाल से सिफारिश की है कि हिमाचल विधानसभा का मॉनसून सत्र 18 अगस्त से 2 सितंबर तक बुलाया जाए। इस दौरान कुल 12 बैठकें होंगी जिनमें प्रदेश के कई अहम मुद्दों पर चर्चा और निर्णय की उम्मीद है। हाल ही में मानसून में हुई भारी बारिश और भूस्खलन के चलते बेघर हुए लोगों को सरकार ने छह माह तक किराया सहायता देने का फ़ैसला किया है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रभावित परिवारों को प्रति माह 5000 रुपये और शहरी क्षेत्रों में 10,000 रुपये किराया मिलेगा। यह राशि सीधे प्रभावित परिवारों के खाते में डीबीटी के ज़रिए दी जाएगी। प्रदेश के दुर्गम और जनजातीय इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं को मज़बूती देने के लिए 290 अतिरिक्त आशा वर्कर के पदों को भरने की मंज़ूरी दी गई है। इससे खासकर महिलाओं और बच्चों को स्वास्थ्य सेवाएं समय पर उपलब्ध हो सकेंगी। एचआरटीसी की बसों में फ्री या रियायती यात्रा करने वाले लाभार्थियों को अब 200 रुपये का 'हिम बस कार्ड' बनवाना अनिवार्य होगा। इस कार्ड को दिखाने पर ही रियायत या निशुल्क यात्रा का लाभ मिलेगा।

ओबीसी आरक्षण और अनाथ बच्चों के लिए सीट आरक्षित: मंत्रिमंडल ने आगामी शहरी निकाय चुनावों में ओबीसी के लिए आरक्षण लागू करने का फैसला किया है। इसके लिए पिछड़ा वर्ग आयोग के गठन को मंज़ूरी भी दे दी गई। साथ ही अनाथ बच्चों के लिए आईटीआई, पॉलिटेक्निक, इंजीनियरिंग और फार्मेसी कॉलेजों में प्रति कोर्स एक सीट आरक्षित की जाएगी।

खाली भवनों का होगा सदुपयोग, खनन खदानों की नीलामी: प्रदेश में खाली पड़े सरकारी भवनों का उपयोग सुनिश्चित करने के लिए एक नोडल एजेंसी गठित की जाएगी। वहीं, जिला कांगड़ा में 10 और बिलासपुर में 11 खदानों की नीलामी से करीब 18.82 करोड़ रुपये का राजस्व आने की संभावना है, जिससे नए रोजगार भी सृजित होंगे।

पंजीकरण नहीं कराने पर वाहन होंगे स्क्रैप: प्रदेश में बिना पंजीकरण के घूम रहे लगभग 2795 निर्माण उपकरण वाहनों के लिए वन टाइम पॉलिसी लागू की जाएगी। तीन माह के भीतर वाहन मालिक जुर्माने का 50 फीसदी जमा कर पंजीकरण करवा सकेंगे। तय समय पर पंजीकरण न होने पर ऐसे वाहन जब्त कर स्क्रैप कर दिए जाएंगे। कैबिनेट ने सचिवालय में विधि अधिकारी (अंग्रेजी) के पांच और विधि अधिकारी (हिंदी) के दो पद भरने की मंज़ूरी दी है। भरमौर, पांगी और स्पीति में अनुसंधान अधिकारियों के तीन पद भी सृजित किए जाएंगे।

नादौन नगर परिषद के वार्ड-8 से अमतर स्टेडियम और पंचायत घर बेला क्षेत्र को बाहर किया जाएगा। वहीं, सोलन नगर निगम क्षेत्र में जल दरें अब जल शक्ति विभाग की दरों के समान होंगी, जिससे हज़ारों उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा।

पिता-पुत्र पर डंडों से हमला किया

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। शहर के इंद्रगढ़ी डासना निवासी अनिल का कहना है कि 30 जुलाई की रात करीब नौ बजे वह गली में घूम रहे थे। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले जतिन, लक्की और अन्नू ने गली में घूमने की बात को लेकर उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर तीनों ने उन पर लाठी डंडों से हमला बोल दिया। शोर-शराबा होने पर उनके पिता भोलेराम आए तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की। अनिल का कहना है कि हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के संबंध में उन्होंने 31 जुलाई को मसूरी थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की गुहार लगाई।

दोस्तों के साथ खेलते समय लापता किशोर, दिल्ली में मिला

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। दिल्ली सीमाा के नजदीक लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र में चार दिन पहले बेहटा नहर पर दोश्तों के साथ खेलते समय लापता हुआ किशोर दिल्ली में मिला है। परिजनों ने मामले में कुछ युवकों द्वारा उसकी पिटाई करने के बाद लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। दिल्ली जौहरीपुर निवासी राजेश का पुत्र विष्णु चार दिन पहले तीन दोश्तों के साथ खेलने के लिए घर से निकला था। देर शाम तक उसके घर न पहुंचने पर परिजन उसके दोश्तों के घर पहुंचे। दोश्तों ने बताया कि बेहटा नहर के पास खेलते समय कुछ युवकों ने उनके साथ मारपीट की थी। जिस पर चारों अलग अलग दिशाओं में भाग गये थे। तीनों दोश्त अपने घर लौट आए थे। पुत्र के घर न लौटने पर उन्होंने अगले दिन लोनी बार्डर थाने में गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज कराई थी। सीओ अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज कर दिल्ली व आस पास के थाने में बच्चे की फोटो व जानकारी भेजी गई थी।

सड़क हादसे में दो दोस्तों की मौत के मामले में केस दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। वेव सिटी थानाक्षेत्र में हुए सड़क हादसे में दो दोश्तों की मौत के मामले में पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। घटना में एक व्यक्ति की मौके पर मौत हो गई थी, जबकि दूसरे ने उपचार के दौरान दम तोड़ा था। पुलिस का कहना है कि आरोपी चालक को चिन्हित करने का प्रयास किया जा रहा है। विजयनगर सेक्टर-नौ के मवई गांव में रहने वाले अंकित का कहना है कि उनके पिता राजकुमार 23 जनवरी 2025 को बाइक पर अपने साथी जयनारायण के साथ हापुड़ से घर लौट रहे थे। दोपहर करीब सवा 12 बजे वह जैसे ही वेव सिटी थानाक्षेत्र में एनएच-नौ पर महरौली जयपुरिया सनराइज ग्रीन सोसाइटी के पास पहुंचे तो अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। घटना में जयनारायण की मौके पर मौत हो गई थी, जबकि उनके पिता गंभीर रूप से घायल हो गए थे। पिता को मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन हालत लगातार बिगड़ने के चलते उन्हें 24 जनवरी 2024 को दिल्ली के लोक नायक अस्पताल में भर्ती कराया गया।

शुल्क जमा न कराने वालों को नोटिस भेजेगा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मानचित्र स्वीकृति कराने के बाद शुल्क जमा नहीं कराने वालों के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी है। ऐसे में सभी बकायेदारों को जीडीए नोटिस भेजकर वसूली करेगा। इस मामले में बैठक कर जीडीए सचिव ने निर्देश दिए हैं। जीडीए क्षेत्र में आवासीय, व्यवसायिक और औद्योगिक भवन का निर्माण करने से पूर्व प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृति लेनी होती है। प्राधिकरण से नक्शा पास होने के बाद ही आवंटी भवन का निर्माण कर सकता है। इसी को लेकर करीब 35 बिल्डर और अन्य लोगों ने प्राधिकरण से भवन का निर्माण करने से पूर्व नक्शा पास कराया, लेकिन इसके बाद प्राधिकरण का शुल्क अभी तक जमा नहीं किया। पिछले दिनों प्राधिकरण के नियोजन अनुभाग ने फाइलों की जांच की तो पता चला कि कई बिल्डर और लोग ऐसे हैं, जिन्होंने शुल्क जमा नहीं किया है। जबकि मौके पर निर्माण कार्य चल रहा है या पूरा हो चुका है। इसके बाद इनकी सूची तैयार की गई। जीडीए सचिव राजेश सिंह ने बैठक कर सभी को नोटिस भेजकर वसूली करने की बात कही है। ताकि प्राधिकरण में शुल्क जमा हो सके। यदि फिर भी ये शुल्क जमा नहीं कराते हैं, तो इनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बस ने किशोरी को मारी टक्कर

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी बॉर्डर क्षेत्र स्थित दिल्ली सहारनपुर रोड पर शनि मंदिर के पास 19 जुलाई दोपहर को रोड पर खड़ी किशोरी को निजी बस ने टक्कर मार दी। बस का पहिया किशोरी के पैर पर चढ़ गया। पुलिस ने घायल को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया। पीड़िता के भाई ने मामले में अज्ञात बस चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। राहुल गार्डन कालोनी निवासी सुनील की छोटी बहन नेहा तीन सप्ताह पहले किसी कार्य से दिल्ली सहारनपुर रोड पर गई थी। वह रोड पर शनि मंदिर के सामने से खड़ी थी तो निजी बस चालक ने लापरवाही से बस चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दी। इस दौरान बस का अगला पहिया उनके पैर पर चढ़ने से वह घायल हो गई। लोगों के शोर मचाने पर चालक बस समेत फरार हो गया। पुलिस ने मामले की सूचना घायल के परिजनों को देकर उसे जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया। पीड़िता के भाई ने अज्ञात बस चालक के खिलाफ पुलिस से शिकायत की है। सीओ अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

भाकियू टिकैत के कार्यकर्ता बढ़ापुर थाना इंचार्ज से मिले

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। नगीना तहसील अध्यक्ष डॉ धर्मवीर सिंह के साथ किसानों कि समस्याओं लेकर भारतीय किसान यूनियन टिकैत के कार्य कर्ता बढ़ापुर थाना इंचार्ज से मिले वहां पहुंचकर क्षेत्र के किसानों की समस्याओं से अवगत कराया। थाना इंचार्ज ने समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया है। साथ में पंडित उमेश चन्द्र शर्मा जिला प्रचार मंत्री भारतीय किसान यूनियन टिकैत बिजनौर राहुल कुमार ब्लॉक महामंत्री कोतवाली सौवीर सिंह अनिल कुमार जिला सचिव महेंद्र सिंह प्रधान बिट्टू भाई मोहम्मद मुर्तजा शाहीद मंसूरी सरदार सुखचैन सिंह सरदार अजमेर सिंहऔर तमाम कार्य कर्ता मौजूद रहे ।

भाई-बहन का सुसाइड: सौतेली मां समेत 3 की शिकायत

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

गोविंदपुरम में आईबी के कर्मचारी और उनकी बड़ी बहन की आत्महत्या मामले में नया मोड़ आया है। मृतकों के मामा ने पिता, दादा और सौतेली मां पर प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को कविनगर थाने में शिकायत दी।

मूलरूप से थाना बाबूगढ़ जिला हापुड़ के गांव अयादनगर निवासी 25 वर्षीय अविनाश कुमार उर्फ बिट्टू और उनकी 28 वर्षीय बड़ी बहन अंजलि सौतेली मां रितु के साथ गोविंदपुरम एच-ब्लॉक रहते थे।

पिता सुखबीर सिंह काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रीयल रिसर्च (सीआईएसआर) में नौकरी करते हैं। उनकी पोस्टिंग गोवा में है। अविनाश की मां कमलेश की वर्ष 2007 में मौत हो चुकी है, जिसके बाद पिता ने रितु से दूसरी शादी कर ली थी। अविनाश इंटेलीजेंस ब्यूरो के चाणक्यपुरी दिल्ली स्थित दफ्तर में काम करते थे, जबकि अंजलि नोएडा स्थित एक कंपनी में नौकरी करती थीं। अविनाश की सौतेली मां रितु सरकारी अध्यापिका हैं।

गुरुवार को जब सौतेली मां रितु स्कूल गई हुई थीं तो दोनों भाई-बहन ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। सौतन के चक्कर में मां कमलेश ने भी खा लिया था जहर अविनाश के हापुड़ निवासी मामा देवेंद्र कुमार ने बताया कि 20 अप्रैल 1995 को उन्होंने बहन कमलेश की शादी सुखबीर सिंह से की थी। कुछ साल बाद सुखबीर सिंह के मेरठ निवासी रितु से संबंध हो गए, जिसके चलते सुखबीर सिंह कमलेश को प्रताड़ित करने लगे। देवेंद्र का आरोप है कि सुखबीर ने रितु से शादी करने के लिए वर्ष 2007 में उनकी बहन कमलेश को जहर देकर मार दिया। दोनों बच्चों की परवरिश को ध्यान में रखते हुए उन्होंने रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई।

देवेंद्र ने बताया कि बहन की मौत के साल भर बाद ही सुखबीर सिंह ने रितु से शादी कर ली। कहते थे, तुम भी अपनी मां के साथ ही मर जाते तो अच्छा होता देवेंद्र कुमार के मुताबिक, अविनाश और अंजलि सौतेली मां रितु और पिता सुखबीर सिंह की प्रताड़ना से तंग आ चुके थे। वह दोनों बच्चों से कहते थे कि अच्छा होता कि वह भी अपनी मां के साथ ही मर जाते।

बच्चों के दादा भगवान सहाय भी आरोपियों का साथ देते थे। देवेंद्र का कहना है कि दो दिन पहले रितु का दोनों बच्चों से झगड़ा हुआ था। इसके बाद से दोनों बच्चे परेशान थे। देवेंद्र कुमार ने रितु, सुखबीर सिंह और भगवान सहाय के खिलाफ शिकायत दी है। सीओ कविनगर भास्कर वर्मा ने बताया कि मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और शिकायत की जांच कराने के बाद आगामी कार्रवाई की जाएगी।

कोटपा अधिनियम के तहत छह हुक्का बार को नोटिस

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

कोटपा अधिनियम के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीम ने छह हुक्का बार को नोटिस जारी किया गया है और एक प्रतिष्ठान पर कार्रवाई के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग और पुलिस को पत्र लिखा है। सभी प्रतिष्ठानों को सीएमओ ऑफिस में आकर अपना जवाब देने के निर्देश दिए गए हैं।

तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ के नोडल डॉ. आरके गुप्ता ने बताया कि शहर के अलग-अलग स्थानों पर मौजूद प्रतिष्ठान अर्बन रिट्रीट कैफे और लाउंज, द डेली ड्रिप लाउंज एंड हुक्का, थ्री हाउस कैफे एंड लाउंज हुक्का, टू जोकर कैफे एंड हुक्का बार, द जंगल कैफे एंड लाउंज हुक्का प्रतिष्ठान संचालित है। इनमें कोटपा अधिनियम का पालन नहीं किए जाने पर नोटिस जारी किया गया है।

इसके अलावा औजेरा रूफटॉप रेस्ट्रो एंड लाउंज पर खाद्य सुरक्षा विभाग और पुलिस द्वारा कार्रवाई के लिए पत्र लिखा गया है। सभी प्रतिष्ठानों को तीन दिवस में सीएमओ कार्यालय में अपना पक्ष स्पष्ट करना होगा। डॉ. गुप्ता के मुताबिक धूम्रपान मानव एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल एवं हानिकारक प्रभाव डालता है। धूम्रपान में मुख्य रूप से उपयोग होने वाले निकोटिन एक जहरीला रासायनिक पदार्थ है जोकि मानव को लत का शिकार बनाता है, जिसके उपयोग से मानव में हृदय रोग, श्वास रोग एवं कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती है तथा व्यक्ति मौत का शिकार भी हो सकता है।

एसीपी बनकर दोस्ती के बाद युवती को ब्लैकमेल कर रकम ऐंठी

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

जालसाज ने एसीपी बनकर युवती से फेसबुक पर दोश्ती की और फिर व्हॉट्सऐप पर फोटो मंगा लिए। इसके बाद आरोपी ने फोटो अश्लील बनाकर वायरल करने की धमकी देते हुए युवती से दो लाख रुपये ऐंठ लिए।

क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। सिद्धार्थ विहार इलाके में रहने वाली युवती का कहना है कि लगभग एक महीने पहले उसके पास एसीपी लक्ष्य पांडेय नाम के अकाउंट से फेसबुक पर फ्रेंड रिक्वेस्ट हुई थी।

उसे स्वीकार करने के बाद दोनों में बातचीत शुरू हो गई। युवती का कहना है कि चैटिंग के दौरान दोनों ने एक-दूसरे के नंबर साझा किए, जिसके बाद व्हॉट्सऐप पर बात होने लगीं।

व्हॉट्सऐप पर बात करने के दौरान आरोपी ने उससे फोटो मांगी तो उसने भेज दी। पीड़िता के मुताबिक इसके बाद आरोपी ने उसके फोटो अश्लील बनाकर वापस भेजे और उन्हें वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने लगा। वह उस पर रुपये ट्रांसफर करने का दबाव डालने लगा।

बदनामी के डर से उसने रूपये ट्रांसफर करने शुरू कर दिए। आरोप है कि खुद को एसीपी बताने वाले व्यक्ति ने धीरे-धीरे करके उससे दो लाख 11 सौ रुपये ट्रांसफर करा लिए। बात में पता चला कि उसके साथ साइबर ठगी और ब्लैकमेलिंग हुई है।

इसके बाद साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई तथा क्रॉसिंग रिपब्लिक थाने में प्रार्थना-पत्र देकर कार्रवाई की गुहार लगाई। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल का कहना है कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपी को चिन्हित करने का प्रयास किया जा रहा है।

विद्यार्थियों ने सीखा सफलता का मंत्र

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

साहिबाबाद के राजेन्द्र नगर में स्वामी विवेकानंद सरस्वती विद्या मंदिर में गुरुवार को डॉ. मधुसूदन गर्ग की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम शिक्षक कल्याण फाउंडेशन और वैज्ञानिक चर्चा समिति ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत जगदीश विग ने एक प्रेरणादायक कविता से की। मुख्य वक्ता के तौर पर गोवींदपुरम स्थित विधा पीठ स्कूल के शिक्षक नीरज त्यागी ने छात्रों को रसायन शास्त्र को आसान तरीके से पढ़ने और समझने के तरीके बताए। डॉ. पवन त्यागी ने डॉ. मधुसूदन गर्ग के जीवन की प्रेरक बातें साझा कीं और बताया कि उन्होंने समाज सेवा के लिए बड़ी नौकरियां छोड़ दीं थी।

अटेवा ने पुरानी पेंशन बहाली की मांग पर निकाला रोष मार्च

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

अटेवा एनएमओपीएस के राष्ट्रीय आह्वान पर एनपीएस-यूपीएस एवं निजीकरण के विरोध में रोष मार्च जिलाध्यक्ष उमेश कुमार राजपूत जिला महामंत्री सुभाष चंद्र यादव महिला विंग जिलाध्यक्ष वसीमा बानो एवं जिला कोषाध्यक्ष विनीत कुमार गहलोत के नेतृत्व में निकाला गया। रोष मार्च इंदिरा बल भवन बिजनौर से जिलाधिकारी कार्यालय तक किया।

प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के संबोधन में पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर ज्ञापन दिया गया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पश्चिमी ज़ोन प्रभारी चंद्रहास सिंह ने कहा की पुरानी पेंशन हमारा संवैधानिक अधिकार है जब तक पुरानी पेंशन बहाली नहीं होगी तब तक संघर्ष जारी रहेगा।

एनपीएस-यूपीएस एवं निजीकरण देश के करोड़ शिक्षकों एवं कर्मचारियों के खिलाफ षड्यंत्र है जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मंडलाध्यक्ष रजनीश कुमार ने कहा कि ये रोष मार्च पुरानी पेंशन बहाली के संघर्ष की आगाज़ है।

उत्तर प्रदेश जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष सुधीर यादव राज्य सहित कर्मचारी परिषद के जिला संरक्षक देशराज सिंह एवं अध्यक्ष धीरज कुमार ने कहा कि अटेवा पुरानी पेंशन का आंदोलन कोई ईमानदारी से कर रहा है संघर्ष की बदौलत एक दिन निश्चित पुरानी पेंशन बहाल होगी।

उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष मंडलीय मंत्री रूपेश कुमार एवं जिला अध्यक्ष अश्वनी कुमार ने कहा कि पुरानी पेंशन हमारे बुढ़ापे की लाठी है जिसके लिए अटेवा निरंतर संघर्षरत है। इस अवसर पर डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष राजेश कुमार रवि, एवं राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिलाध्यक्ष दिग्विजय सिंह सिंचाई संघ के जिलाध्यक्ष शूरवीर सिंह, एवं विद्युत प्राविधिक कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष लोकेंद्र चौधरी ने संबोधित किया।

सरकार जिस प्रकार सरकारी विभागों को निजीकरण कर रही है वह अत्यंत ही ग़लत है है।रोष मार्च में अधीनस्थ कर्मचारी संघ जिला अध्यक्ष लखबीर सिंह,राजकीय वाहन चालक संघ के जिला मंत्री नरेंद्र कुमार, पोलो टेक्निक स्टैटिक एसोसिएशन मनोज कुमार,इरिगेशन मिनिसट्रियल कर्मचारी संघ के जिला कोषाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार, शिव कुमार, दिवाकर उमेश कुमार राजपूत, उपस्थित रहे।रोष मार्च को भारतीय किसान यूनियन टिकैत, भारतीय किसान यूनियन प्रधान, भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक, भारतीय किसान यूनियन तोमर, भारतीय किसान यूनियन एकता,आदि किसान यूनियन का नैतिक समर्थन रहा।

इस अवसर पर अल्फिया जावेद, कौशल गौतम, रीवा सिंह, नीधि सिंह ,रूचि काकरन, प्रियांश रानी, प्रेरणा गीता, रानी हलीमा, मीनाक्षी, शिवाली यादव,सर्वेश, शीतल रानी, बबीता रानी, देशराज सिंह, क्रांति सिंह, जयप्रकाश पाल,पंकज कटारिया, संजीव कुमार ,संदीप कुमार, डॉ भूपेंद्र सिंह, गजेंद्र कुमार, जावेद, आकाश दीप, तेजपाल सिंह, योगेंद्र कुमार, ओम प्रकाश सिंह,रामनाथ सिंह,खड़क सिंह, अनुज कुमार युधिष्ठिर चौहान, सचिन कुमार, विनीत त्यागी, आवेश कुमार विनय जयकिशन आदि सैकड़ो शिक्षक एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

बीएड का रिजल्ट देख खुशी से झूमे छात्र

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

मौलाना मौहम्मद अली जौहर हायर एजुकेशन इंस्टीटयूट, किरतपुर (बिजनौर) के बी.एड. अन्तिम वर्ष का आज परीक्षा परिणाम जारी हुआ। परीक्षा परिणाम आने पर छात्र-छात्राएं खुशी से झूम उठे क्योंकि अब वह एल.टी. ग्रेड में आवेदन कर सकेंगे।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रबंधक मौहम्मद साईम राजा ने छात्र-छात्राओं को मुबारकबाद देते हुए कहा कि आपके पास एल.टी. ग्रेड में नौकरी प्राप्त करने का सुनहरा मौका है।

आप पूर्ण मनोयोग से मेहनत कर सफलता प्राप्त करें और अपना, अपने परिवार का व महाविद्यालय का नाम रोशन करें। आपकी कामयाबी में ही हमारी कामयाबी है।

प्राचार्य डॉ. मोहित बंसल ने छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि आप अच्छे अध्यापक के साथ-साथ अच्छा नागरिक बने। बी.एड. विभागाध्यक्ष डॉ. बेगराज यादव ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आपको जो तुरन्त अध्यापक बनने का मौका मिला है।

इससे चूक मत जाना हम हमेशा आपके साथ है। बी0एड0 अन्तिम वर्ष में शिफा मरियम ने 80.07 प्रतिशत के साथ महाविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया, मन्तशा ने 78.78 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया, रूमान अलीम ने 76.07 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया और आफरीन ने 76 प्रतिशत अंको के साथ चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। शिक्षा विभाग के प्रवक्ता निखिल भटनागर, बिरेंद्र सिंह व ईरम शाहिद ने भी छात्र-छात्राओं को बधाई दी।

इस अवसर पर डॉ. शमशाद हुसैन, डॉ. अनुज राजपूत, दानिश परवेज, डॉ. चारू बंसल व अब्दुल शाकिर आदि ने छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की।

एसडीएम धामपुर रितु रानी से रंगदारी मागने एवं जान से मारने की धमकी प्रकरण में

अफसरों की बढी चिन्ता, SDM की सुरक्षा बढ़ी

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷

उप जिलाधिकारी रितु रानी को उनके सीयूजी नंबर पर 15 लाख रुपए की रंगदारी न देने पर दी गई जान से मारने की धमकी का मामला अब केवल जनपद बिजनौर के पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों तक ही सीमित न रहकर प्रदेश मुख्यालय के वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के लिए भी चिंता का विषय बन गया है।

क्योंकि यह मामला प्रदेश की सबसे बड़ी तहसील के रूप में पहचान रखने वाले धामपुर तहसील मुख्यालय की वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी जैसे महत्वपूर्ण पद, उप जिलाधिकारी के पद पर कार्यरत वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी को दी गई धमकी का ऐसा गंभीर मामला है।

जिसके प्रति जनपद से लेकर प्रदेश मुख्यालय तक पूरा प्रशासनिक अमला चिंतित है।

बढ़ाई गई सुरक्षा

उधर, उप जिलाधिकारी को दी गई जान से मारने की धमकी के बाद पुलिस प्रशासन की ओर से उप जिलाधिकारी की सुरक्षा और बढ़ा दी गई है। जिसके अंतर्गत उनके कार्यालय में महिला पुलिसकर्मियों को तैनात करने के साथ ही उनके आवास पर एक गनर भी तैनात है।

दो सशस्त्र होमगार्ड जवान उनकी सुरक्षा में पहले से तैनात किए हुए है। तहसील मुख्यालय की वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी को मिली धमकी के मामले की जांच पुलिस द्वारा विभिन्न एंगल से की जा रही है।

एसपी पूर्वी अमित किशोर श्रीवाश्तव के अनुसार पुलिस हरबिंदु पर जांच कर रही है। उनका कहना है कि वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी को धमकी दिए जाने का मामला गंभीर है। पुलिस भी पूरी गंभीरता के साथ इस मामले का पर्दाफाश करने में सक्रियता पूर्वक जुटी हुई है।

उनका कहना है कि अभी इस मामले में कोई ठोस जानकारी दे पाना संभव नहीं है। लेकिन शीघ्र ही पूरे मामले का पर्दाफाश किए जाने के लिए पुलिस प्रयासरत है। धमकी देने वाले लोगों का पता लगाने के लिए भी पुलिस के प्रयास निरंतर जारी है।

उधर, उप जिलाधिकारी रितु रानी ने बताया कि 24 जुलाई को उनके सी यू जी नंबर पर धमकी भरे कई मैसेज आए थे। इन मैसेज में उन्हें जान से मारने की धमकी देकर तंजील अहमद हत्याकांड का जिक्र करते हुए 15 लाख रुपए की रंगदारी की मांग की गई थी।

मोबाइल पर उन्हें कई खाता संख्या बारकोड भेज कर रकम ट्रांसफर करने के लिए भी कहा गया। उप जिलाधिकारी का मानना है कि इस मामले में पुलिस की जांच कार्यवाही तेज गति से कार्य कर रही है। उन्हें विश्वास है कि पुलिस घटना का शीघ्र पर्दाफाश करके धमकी देने वालों का भी पता लगा लेगी।

शुभचिंतकों का जताया आभार

उप जिलाधिकारी का यह भी कहना है कि जब से समाचार पत्रों में इस मामले में समाचारों का प्रकाशन प्रारंभ हुआ है। अर्थात पूरा मामला उजागर हुआ है उनके मोबाइल पर इस प्रकार का कोई मैसेज नहीं आया है।

उन्होंने अपने उन सभी शुभचिंतकों के प्रति आभार प्रदर्शित किया है जो निरंतर फोन करके उनको दी गई जान से मारने की धमकी की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं।

स्वस्थ एवं सुरक्षित जीवन के लिए अपने-अपने इष्ट देव और आराध्य देव से प्रार्थना भी कर रहे हैं।

भाकियू टिकैट के नगर उपाध्यक्ष बने शेख नईम अहमद

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के नगर अध्यक्ष रिंकू राठी ने नहटौर निवासी समाजसेवी शेख नईम अहमद को भारतीय किसान यूनियन (टिकैत)का नगर उपाध्यक्ष नियुक्त किया हैं। साथ ही दो दर्जन से अधिक सक्रिय सदस्य भी बनाए। जिससे उनके समर्थको में खुशी की लहर दौड़ उठी।

प्राप्त समाचार के अनुसार भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत द्वारा प्रदेश में संगठन को मज़बूत करने के लिए लगातार ज़रूरी कदम उठाये जा रहें है। इसी क्रम में भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के नगर अध्यक्ष द्वारा मनोनयन पत्र के साथ ही नगर के कार्यकारिणी को बढ़ते हुए मोहल्ला शेखान निवासी शेख नईम अहमद को नगर उपाध्यक्ष मनोनीत किया है साथ ही दो दर्जन से अधिक सक्रिय सदस्य भी बनाए गए।

उन पर उम्मीद जताई है कि वह संगठन को मज़बूत करने का काम करेंगे। नवनियुक्त नगर उपाध्यक्ष शेख नईम अहमद ने कहा कि प्रदेश में किसानों की आवाज़ को बुलंद कर उनसे जुड़े मुद्दों पर कराने का काम किया जाएगा। साथ ही कहा कि वह पूरी निष्ठा के साथ संगठन को अधिक मज़बूत बनाने का काम करेंगे।

वही सक्रिय सदस्य मे विशाल अहमद सैफी, जावेद नसीम, शेख ज़हीन अहमद, अय्युब अहमद, हाजी मोहम्मद कामिल, निजामुद्दीन, जैनुद्दीन अंसारी व संजय सैनी सहित दो दर्जन से अधिक सक्रिय सदस्य बनाए गए।

चांदपुर में बदला मौसम, तेज बारिश से धान की फसल को फायदा, गर्मी से राहत मिली

✷ एनसीआर टुडे. चांदपुर ✷

नगर में मौसम का मिजाज अचानक बदल गया। सुबह से ही आसमान में घने काले बादल छाए रहे, जिससे गर्मी से कुछ राहत मिली। सुबह से ही बारिश शुरू हो गई। इससे मौसम और भी सुहावना हो गया।

सुबह-सुबह हल्की बारिश हुई थी। इसके कारण दिनभर ठंडक बनी रही। और फिर से आसमान में घने बादल छा गए और तेज बारिश होने लगी।

इससे तापमान में कई डिग्री की गिरावट आई। लोगों को गर्मी से राहत मिली। पिछले कई दिन से बिजनौर के आसपास के जिलों में बारिश हो रही थी। लेकिन बिजनौर में सिर्फ बादल ही नजर आ रहे थे। आज बारिश होने से किसानों के चेहरे खिल गए।

धान की फसल को इस बारिश से फायदा हुआ है। कृषि अनुसंधान केंद्र नगीना के आंकड़ों के अनुसार, पिछले चार दिनों का तापमान इस प्रकार रहा। 28 जुलाई को अधिकतम तापमान 32.0 डिग्री और न्यूनतम 25.7 डिग्री सेल्सियस रहा। सापेक्षिक आर्द्रता 97 और 69 प्रतिशत रही। 29 जुलाई को अधिकतम तापमान 29.4 और न्यूनतम 25.0 डिग्री सेल्सियस रहा। सापेक्षिक आर्द्रता 98 और 79 प्रतिशत रही। इस दिन 33.8 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई।

30 जुलाई को अधिकतम तापमान 33.0 और न्यूनतम 25.5 डिग्री सेल्सियस रहा। सापेक्षिक आर्द्रता 94 और 70 प्रतिशत रही।

31 जुलाई को अधिकतम तापमान 28.6 और न्यूनतम 25.0 डिग्री सेल्सियस रहा। सापेक्षिक आर्द्रता 99 और 90 प्रतिशत रही।

अवैध शस्त्र फैक्ट्री का भण्डाफोड़, चार शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

पुलिस अधीक्षक नगर मृगांक शेखर पाठक के निर्देशानुसार व क्षेत्राधिकारी नगर तृतीय सर्वम सिंह के कुशल नेतृत्व में अवैध शस्त्र बनाने व बिक्री करने वाले शातिर अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु जनपद में चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना क्वार्सी पुलिस व क्रिमिनल इंटेलीजेन्स विंग नगर टीम की संयुक्त टीम द्वारा चार शातिर अभियुक्तों को डीपीएस स्कूल के सामने जीएसपी डिवाइन होम्स काम्पलैक्स के सामने बन्द पडी पानी की टंकी की चार दिवारी के अन्दर स्थित जर्जर आवास से अवैध शस्त्र फैक्ट्री का संचालन करने एवं अवैध देशी शस्त्रों का निर्माण करते हुए भारी मात्रा में बने व अधबने तमंचे के साथ तमंचा बनाने की फैक्ट्री का भण्डाफोड़ करते हुए गिरफ्तार किया।

पूछताछ में पकड़े गए अभियुक्तों ने अपने नाम योगेश पुत्र ज्ञानेन्द्र निवासी ग्राम पाली थाना मडराक हाल पता नगला देवी थाना महुआखेडा अलीगढ़, अरविन्द कुमार पुत्र राजेन्द्र सिंह निवासी ग्राम बसौली थाना गोंडा जनपद अलीगढ़, सुभाष पुत्र सुरेशचन्द्र निवासी एडीए कालोनी थाना सासनीगेट जनपद अलीगढ़ व रामप्रकाश पुत्र मक्खनलाल निवासी नगला माली धनीपुर मण्डी के पास थाना गाँधीपार्क जनपद अलीगढ़ बताये। जिनके कब्जे से 10 देशी तमंचे 315 बोर, तमंचे की नाल बनाने में प्रयुक्त होने वाले लोहे के ठोस टुकडे 51 व बनी हुई नाल 11, लोहे की स्प्रिंग कुल 04, ट्रिगर से जोड़ने वाली सीयर पत्ती व कमानी कुल 07, तमंचो की बाड़ी एवं बट की लकड़ी की चापो को जोड़ने वाली लोहे की राड कुल 08 प्रत्येक की लम्बाई लगभग 04 फीट, एक हथौडा बडा बिना बेंट व 01 छोटी हथौडी लोहे की मय, लोहे की फायरिंग पिन 12413, रेती(फाइल) सपाट मय बेंट लकडी 01, 315 बोर के नाल का बोर चैम्बर बनाने व नापने हेतु 01 खोखा कारतूस पीतल का 315 बोर, एक प्लास लोहे का, 02 छोटे पेचकस, 01 इलेक्ट्रिक ड्रिल कम ग्राइंडर मशीन मय स्टैंड लोहे का बजनी करीब 30 कि0ग्रा0, 01 बाँक, लोहे के कमानीनुमा 03 टुकडे , लोहे की छेनी 03 अदद, लोहे के 04 बोल्ट व 03 नट, एक रेमर लोहे का, 04 छोटी स्प्रिंग लोहे की, एक जलती हुई व 04 बिना जली मोमबत्ती, लोहे व लकड़ी का हश्तचालित बर्मा 01, लगभग 15 मीटर बिजली की केबल बरामद की।

उत्तर रेलवे

निविदा आमंत्रण सूचना

कार्य का नाम और इसकी स्थितिः–	30-Elect-19-T-2025-26-E3. दिल्ली मंडल के स्टेशनों पर 11 केवी एचटी स्थापना की मरम्मत, सर्विसिंग, ओवरहालिंग और सुदृढ़ीकरण के संबंध में विद्युत कार्य।
निविदा की अनुमानित लागतः–	रू० 13195334
कार्यालय का पता :–	वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/जी, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली
बयाना राशिः–	रू० 216000
निविदा निवेदन की दिनांक व समय :–	26.08.2025, 16.00 बजे
निविदा खोलने की दिनांक व समय :–	26.08.2025, 16.00 बजे
वेबसाइट व नोटिस बोर्डः–	www.ireps.gov.in/वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियन्ता/जी, नई दिल्ली 2354/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

भारत आजाद है किसी से डरने की चिंता करना नहीं चाहिए

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प आज कल टैरीफ को लेकर चर्चा का विषय बने हुए हैं दरअसल ऑपरेशन सिंदूर के बाद ही राष्ट्रपति ट्रम्प के सीजफायर पर संसद में उनका गुणगान नहीं किया गया और बदले की भावना से रूस से भारत के तेल व्यापार का बहाना बनाकर भारत पर 25परसेंट टैरीफ लगाने का ऐलान कर दिया इससे भारत को चिंता करने की बात नहीं है अटलजी जब प्रधानमंत्री थे तो 1998 में पोखरण परमाणु परीक्षण पर भी आर्थिक प्रतिबंध इससे कहीं अधिक था लेकिन बाद में आर्थिक प्रतिबन्ध को हटाना पड़ा क्योंकि उससे अमेरिका का ही बाजार बन्द हुआ और नुकसान हुआ अब 25 परसेंट लगावो या 100 परसेंट भारत 140 करोड़ जनता का देश है और लोकतान्त्रिक व्यवस्था है।

अतः हम क्यों डरे भारत एक कृषि प्रधान देश है और हमारे मजदूर वर्ग क़ोई चोरी से नहीं मेहनत से रोटी के लिए खून पसीना एक कर देता है चाहे गर्मी हो या बरसात और एक आकड़ा के मुताबिक भारत के गरीब और मध्यम वर्ग के लोग बीजेपी को सबसे ज्यादा वोट देते हैं हमारा देश भगवान राम के आदर्शो पर चलने वाला देश है किसी भी देश की अपनी आतंरिक मामलों पर दखल देना हरगिज पसन्द नहीं करेगा भारत माता में हमारी पुरी आस्था है और हमारे जवान जुझारू हैं हमारी टेक्नोलॉजी को पुरी दुनिया लोहा मानती हैं।

अतः कभी भी भारत को किसी भी क्षेत्र में कम आंकना गलत होगा टैलेंटेड लोगो की खान है भारत, तभी अमेरिका के लाख मना करने और उसके सेटेलाईट को मात देकर परमाणु परीक्षण किया और देश में कलाम और चिदंबरम जैसे वैज्ञानिक हुए देश उस समय गर्व से एकता का प्रदर्शन किया और अभी भी भारत को इन सब से चिंता नहीं चैलेन्ज की तरह लेना चाहिए। इसी पर एक कहानी याद आती है एक बार गिद्धों का एक बड़ा झुंड उड़ता-उड़ता एक टापू पर जा पहुँचा। वह टापू समुद्र के बीचों-बीच था, जहाँ शांति ही शांति थी। मछलियाँ, मेंढक और छोटे समुद्री जीवों की भरमार थी। वहाँ गिद्धों को भोजन की कोई कमी नहीं थी। और सबसे बड़ी बात—टापू पर कोई शिकारी जानवर नहीं था।

गिद्धों को जैसे स्वर्ग मिल गया हो। आरामदायक जीवन, बिना किसी खतरे के। हर दिन मौज-मश्ती, भरपेट भोजन और चैन की नींद। गिद्धों में अधिकतर युवा थे। उन्होंने वहीं बस जाने का मन बना लिया। वे बोले, "अब जंगल का क्या काम? वहाँ खतरे हैं, मुश्किलें हैं। हम यहीं रहेंगे, यही हमारा भविष्य है।" लेकिन उसी झुंड में एक बूढ़ा गिद्ध भी था। उसने वह जंगल देखा था जहाँ जीवन कठिन था, लेकिन सच्चा था। उसने शिकारी जानवरों से जूझना सीखा था, भूख में उड़ना सीखा था, और गिरकर उठना सीखा था। एक दिन बूढ़े गिद्ध ने सभा बुलाई। उसने कहा, "बेटों, यह टापू तुम्हें मजबूत नहीं बना रहा, यह तुम्हें कमजोर कर रहा है। तुम उड़ना भूल चुके हो, पंजे कुंद हो गए हैं, और आँखें आलस की धुंध में धँस चुकी हैं। चलो, लौट चलें जंगल की ओर, जहाँ जीवन कठिन है, लेकिन वो तुम्हें जीवित रहना सिखाता है।"

युवा गिद्ध हँस पड़े। एक ने कहा, "बाबा, तुम पुरानी सोच के हो। अब जमाना बदल गया है। हमें आराम मिल रहा है, फिर जंगल क्यों लौटें?"

बूढ़े ने बहुत समझाया, लेकिन कोई नहीं माना। वो अकेला ही उड़ गया। समय बीता। कुछ महीने बाद बूढ़े गिद्ध को अपने पुराने साथियों की याद आई। उसने सोचा, "देखूं, सब कैसे हैं।" वह वापस टापू पर लौटा। पर वहाँ जो उसने देखा, उससे उसकी आँखें भर आईं।

हर ओर गिद्धों की लाशें पड़ी थीं। कुछ घायल गिद्ध तड़प रहे थे। उसने दौड़कर एक घायल गिद्ध से पूछा, "ये क्या हो गया?" घायल गिद्ध की आँखों में पश्चाताप था। उसने कहा, "बाबा, आपके जाने के कुछ दिन बाद एक जहाज आया। जहाज से कुछ शिकारी कुत्ते इस टापू पर छोड़ दिए गए। पहले तो उन्होंने कुछ नहीं किया, लेकिन फिर उन्हें पता चल गया कि हम उड़ नहीं सकते। हमारे पंजे बेकार हो चुके हैं, नाखून कुंद हो चुके हैं। फिर उन्होंने हम पर हमला किया। ।। और एक-एक कर मार डाला। हम चाहकर भी भाग नहीं सके। हमें माफ कर दीजिए, हमने आपकी बात नहीं मानी। ।।"

बूढ़े गिद्ध ने सिर झुका लिया। वह जानता था, जो होना था, वह हो चुका है। अतः हमें अपने दम पर मेक इन इंडिया को आगे बढ़ाने की कोशिश में लगे रहना चाहिए भारत आत्मनिर्भर भारत बने इसके लिए अंग्रेजो को भगाया आजादी में जी रहे हैं हमें किसी देश की धमकी नहीं डरा सकती है। अतः हम खुद ही अपने ताकत और ईमानदारी से मेहनत से उड़ते हैं हमारे पंजे बेकार नहीं हैं, हमारे आदर्श भगवान श्री राम है जिसमें गिद्ध ने भगवान के लिए अपने प्राण भी दे दिए और जटाउ ने तो रावण से सीता माता को रावण से विमान से छुड़ाने के लिए संघर्ष किया और भगवान श्री राम की गोद में अपने प्राण त्याग दिया और उसी के भाई संपाति ने रामेश्वरम के धनुषकोटि से भगवान श्री राम के साथ वानर सेना को देखकर अपने भाई का हाल पूछा और राजा सुग्रीव और सभी वानर सेना सीता माता की खोज में निकलें थे और हताश हो गए थे।

तभी सम्पाती ने चट्टान के ऊपर से देखकर बता दिया की सीता माता लंका में रावण के अशोकवाटिका में बैठी है और तभी उसने ऐ भी कहा गिद्ध की नजर याने देखने की क्षमता अन्य प्राणियों से काफी अधिक होती है भारत एक ऐसा, देश है जो हजारों वर्षो से युद्ध लड़ता आया, जिसने ज्ञान, बलिदान, तप और त्याग की विरासत पाई थी।

लेकिन अब वह टापू के गिद्धों की तरह दूसरे देश के झुण्ड में चलने से अच्छा अपना रास्ता चुने जो आत्मनिर्भर भारत गाँधीजी का एक सपना था। भारत के वीर सेना के ऊपर ट्रम्प ने उनकी बहादुरी को बिलकुल दरकिनार कर दिया और अब चाहता है कि मेरा सिक्का भारत में चले ऐ देश के स्वाभिमान का प्रश्न है भारत का एक एक नागरिक अपने मातृभूमि से प्यार करता है सर कटा सकते हैं लेकिन सर झुका सकते नहीं भारत माता के स्वाभिमान की रक्षा के लिए ऑपरेशन सिंदूर में उनकी भूमिका महान थी जिसे देश पर गर्व है। भारत आजाद है किसी से डरने की चिंता करना नहीं है।

मीडिया और विपक्ष को अब देश में ऑपरेशन सिंदूर के लिए सेना के प्रति रना सकारात्मक होना चाहिए घटना घटी वहाँ क़ोई सिपाही मौजूद नहीं था और आतंकवादी ने सभी पर्यटक को मार डालें कभी कभी घटना अनजाने में हो जाती है जिसे राज्य सरकार को देखना चाहिए लेकिन उन बीते हुए कल को याद कर किसी पर दोष देकर मीडिया और दूसरे देश में मज़ाक उड़ाते हैं लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बाद मारे गए पर्यटक को न्याय जरूर मिला जबकी 26/11/2008 में मुंबई में हुए आतंकवादी हमले में केवल आतंकवादी ही मारे गए और कसाब को इतना दिन तक जिन्दा क्यों रखा और यदि बयान देने और सवाल पूछने के बाद आखिर क्या हुआ।

एआई का विस्तार या नौकरी का संकुचनः बड़ी चुनौती

ललित गर्ग

भारत जैसे युवाओं वाले और उभरती अर्थव्यवस्था वाले देश में तकनीकी विकास के प्रति उत्साह हमेशा गहरा रहा है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप क्रांति और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) जैसी तकनीकें समाज, राष्ट्र और अर्थव्यवस्था में तीव्र बदलाव की सारथि बनी हैं। हर वर्ग और क्षेत्र ने इस परिवर्तन को आशा एवं सकारात्मकता के साथ अपनाया है, इस उम्मीद में कि तकनीकी तरक्की के साथ रोज़गार के नए अवसर भी सृजित होंगे। लेकिन हाल ही में आईटी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) द्वारा 12, 000 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा ने इस उम्मीद पर पानी फेर दिया और इसे बड़ा झटका दिया है। निस्संदेह, छंटनी का यह फैसला आईटी क्षेत्र में आसन्न संकट की आहट को ही दर्शाता है।

छंटनी बाबत टीसीएस की दलील है कि इन नौकरियों में कटौती कौशल की कमी और अपने विकसित होते व्यावसायिक मॉडल में कुछ कर्मचारियों को फिर से नियुक्त करने में असमर्थता के चलते की गई है। हालांकि, कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी का दावा है कि इस कदम के पीछे एआई से प्रेरित उत्पादकता वृद्धि नहीं है। यह संख्या कंपनी के कुल कार्यबल का लगभग 2 प्रतिशत है, और मुख्यतः मध्यम और वरिष्ठ श्तर के कर्मचारियों को प्रभावित करेगी।

एआई और ऑटोमेशन केवल तकनीक नहीं हैं, वे कार्य संस्कृति, संगठन संरचना और मानव संसाधन नीति को मूल रूप से बदल रहे हैं। कई रिपोर्टों के अनुसार, एआई से प्रेरित उत्पादकता और लागत में कटौती की प्रवृत्ति बढ़ रही है। उदाहरण के तौर पर, एमेजोन ने 30, 000 सॉफ्टवेयर एप्लिकेशनों को एआई की मदद से मात्र छह महीनों में अपग्रेड किया, जो कार्य सामान्यतः डेवलपर्स को एक वर्ष लगता।

इससे कंपनी को लगभग 250 मिलियन डॉलर की बचत हुई। इसी प्रकार, माइक्रोसोफ्ट और मेटा जैसी कंपनियों में कोडिंग का 20 से 50 प्रतिशत कार्य एआई से कराया जा रहा है। भारत में एआई का प्रसार अभी अमेरिका या यूरोप की तुलना में सीमित है, लेकिन इसकी गति तीव्र है। देश के स्टार्टअप और आईटी क्षेत्र में छंटनियों की संख्या बढ़ रही है। रिपोर्ट के अनुसार, केवल वर्ष 2025 के शुरुआती पांच महीनों में भारत में 3600 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से हटाया गया, जिसमें एआई आधारित लागत नियंत्रण एक प्रमुख कारण रहा। यह स्पष्ट करता है कि एआई के कारण दोहराव वाले कार्यों की उपयोगिता घट रही है और उनकी जगह स्मार्ट तकनीक ले रही है। मौजूदा समय में यह कदम लागत-अनुकूलन पहलों के चलते अन्य आईटी सेवा कंपनियों में भी छंटनी को बढ़ावा दे सकता है।

इसमें दो राय नहीं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता कारोबार के नियमों में मौलिक बदलाव के चलते, भविष्य के लिये तैयार रहना हर व्यावसायिक उद्यम के एजेंडे में सबसे ऊपर होगा। इस नई हकीकत को देखते हुए, अनेक सवाल सबसे ज्यादा विचलित करने वाले बनकर उभर रहे हैं कि क्या यह तकनीकी बदलाव अनिवार्य रूप से कर्मचारियों की कीमत पर होना चाहिए? एआई युग में नौकरी की अनिश्चितता क्या तकनीक विकास के नाम पर विस्थापन नहीं है? छंटनी की चपेट में युवाओं का भविष्य क्या तकनीकी प्रगति के नाम पर मानव श्रम पर आघात नहीं है? क्या स्मार्ट मशीनें के दौर में भारत में रोजगार को नई चुनौती और इंसानों को हताशा में धकेलना नहीं है? एआई का विश्तार यानी नौकरी का संकुचन क्या भारत के लिए बड़ी चेतावनी की घड़ी बन रहा है? इन प्रश्नों के परिप्रेक्ष्य में देश में बेरोजगारी का संकट किसी से छिपा नहीं है। देश में श्रमबल का कौशल विकास धीरे-धीरे गति पकड़ रहा है।

सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों में आईटी पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। लेकिन टीसीएस के इस फैसले से आईटी पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर रहे उन लाखों छात्रों और डिग्री लेकर निकल रहे उत्साही इंजीनियरों में निराशा व्याप्त होगी। भारत में बढ़ता रोजगार संकट केंद्र सरकार से निरंतर

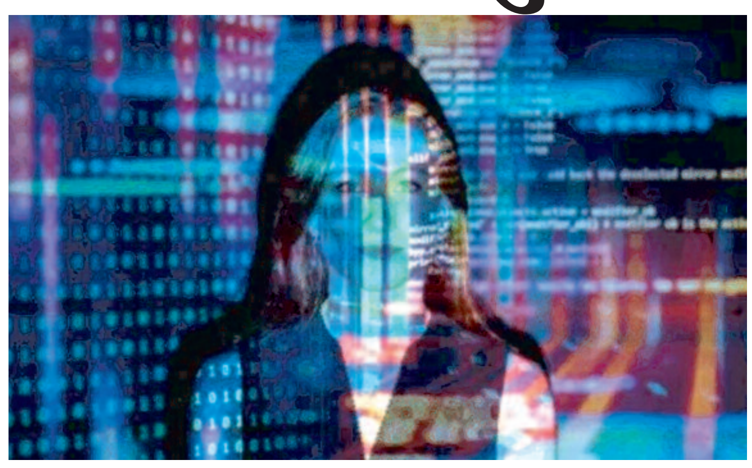

हश्तक्षेप की मांग करता है। हाल ही में हरियाणा में हुई एक परीक्षा में लाखों युवाओं की भागीदारी इस बात का संकेत है कि रोजगार की मांग कितनी व्यापक और अवसर कितने सीमित हैं। देश ही नहीं, दुनिया में रोजगार का संकुचन एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। गोल्डमैंन सोच्स की रिपोर्ट के अनुसार, एआई और ऑटोमेशन के चलते दुनिया भर में लगभग 300 मिलियन नौकरियां प्रभावित हो सकती हैं। विश्व आर्थिक मंच का आकलन है कि 2030 तक 92 मिलियन नौकरियां खत्म होंगी, लेकिन उसी अवधि में 170 मिलियन नई नौकरियां भी पैदा होंगी। यह एक दोधारी तलवार है, जो बदलेगा, बचेगा; जो रुकेगा, वो हाशिए पर जाएगा।

टीसीएस का दावा है कि छंटनी का निर्णय भविष्य की जरूरतों के अनुसार संगठन को ढालने की रणनीति का हिस्सा है। कंपनी का ध्यान एआई में निवेश, नए बाजारों में प्रवेश, ग्राहक अनुभव सुधार और कार्यबल मॉडल के पुनर्गठन पर केंद्रित है। हालांकि, यह तर्क उन हजारों कर्मचारियों की व्यथा को शांत नहीं कर सकता जिनकी आजीविका पर इसका सीधा प्रहार हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस निर्णय से न केवल कंपनी के भीतर बल्कि समूचे आईटी क्षेत्र में आशंका, आक्रोश एवं अनिश्चितता का माहौल बन गया है।

खासकर युवाओं और आईटी की पढ़ाई कर रहे लाखों छात्रों के लिए यह एक मानसिक झटका है। तकनीकी शिक्षा में दाखिले बढ़ रहे हैं, लेकिन रोजगार के अवसर घटते जा रहे हैं। यह असंतुलन देश की सामाजिक स्थिरता को भी प्रभावित कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें बताती हैं कि विश्व श्तर पर लगभग 40 प्रतिशत नौकरियां एआई के कारण जोखिम में हैं। भारत में अनुमान है कि 2025 तक 12-18 मिलियन नौकरियां एआई आधारित ऑटोमेशन के चलते प्रभावित हो सकती हैं, विशेषकर आईटी और बीपीओ क्षेत्रों में। एटेमबर्ग के संस्थापक के अनुसार, भारत में 40-50 प्रतिशत व्हाइट कॉलर नौकरियां एआइ से प्रभावित होने के कगार पर हैं, जिससे देश के मध्यवर्ग की आर्थिक स्थिरता को गहरा झटका लग सकता है। टीसीएस की छंटनी ने बेरोजगारी के दौर में बड़ी हलचल मचाई है, हालांकि आईटी और तकनीकी पाठ्यक्रमों में दाखिले बढ़े हैं, लेकिन उनमें व्यावहारिक और भविष्य-उन्मुख कौशल की कमी है। यह असंगति ही भविष्य में अधिक छंटनियों का कारण बन सकती है। एआई हर भूमिका को खत्म नहीं करेगा, बल्कि उसे पुनर्परिभाषित करेगा। जहां दोहराव और विश्लेषण की आवश्यकता है, वहां एआई प्रभावी होगा, लेकिन रचनात्मकता, सहानुभूति और निर्णय क्षमता जैसे गुणों में मानव की भूमिका बनी रहेगी। डॉक्टर, शिक्षक, वकील, पत्रकार जैसे पेशों में एआईएक सहयोगी के रूप में कार्य करेगा, प्रतिस्थापन के रूप में नहीं। मेटा के प्रमुख एआई वैज्ञानिक यान लेकुन के अनुसार, 'एआई अधिकतर कार्यों को केवल एक हिस्सा ही कर सकता है, वह भी पूरी तरह परिपूर्ण नहीं। मानव श्रमिकों का सीधा प्रतिस्थापन संभव नहीं है।'

निश्चित तौर पर एआई और तकनीकी बदलाव अपरिहार्य हैं। सवाल यह है कि हम इसके लिए कितने तैयार हैं? इसके लिए तीन प्रमुख कदम जरूरी हैं, पहला पुनःकौशल और सतत शिक्षा यानी कार्यबल को भविष्य के अनुरूप प्रशिक्षित करना होगा। डेटा साइंस, मशीन लर्निंग, एआई एथिक्स, सॉफ्ट स्किल्स जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण अनिवार्य बनाना होगा। दूसरा नीतिगत समर्थन यानी सरकार को एआई नीति, डिजिटल समावेशन और श्रमिक सुरक्षा के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश तय करने होंगे। रोजगार खोने वालों के लिए पुनर्वास योजनाएं और स्किल अपडेट कार्यक्रम आवश्यक हैं।

तीसरा सांस्कृतिक और सामाजिक समायोजन यानी एआई को केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन के रूप में भी देखा जाना चाहिए। इसे अपनाने में पारदर्शिता, विश्वास और सहयोग का वातावरण बनाना होगा। तकनीकी बदलाव नई संभावनाएं लेकर आते हैं, लेकिन वे अनायास ही चुनौतियां भी खड़ी करते हैं। टीसीएस की छंटनी से जो संदेश मिलता है वह यही है कि एआई युग में केवल वही टिकेगा जो परिवर्तनशील रहेगा। अब समय आ गया है कि हम तकनीक को केवल उपकरण नहीं, बल्कि नीति और जीवनशैली का हिस्सा मानें। सतत सीखना, अनुकूलन और सामाजिक न्याय, यही तीन श्तंभ हैं, जो भारत को इस तकनीकी क्रांति में न केवल जीवित, बल्कि अग्रणी बना सकते हैं।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

शिक्षण संस्थानों में छात्र-छात्राओं के सुसाइड पर सुप्रीम कोर्ट सख्त!

सुनील कुमार महला

देश में छात्रों की खुदकुशी (सुसाइड) बहुत ही चिंताजनक है। इस संदर्भ में हाल ही में हमारे देश के माननीय सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। दरअसल, माननीय सुप्रीम कोर्ट ने ग्रेटर नोएडा की शारदा यूनिवर्सिटी और आईआईटी खड़गपुर में छात्रों की आत्महत्या के मामले में गंभीर सवाल उठाए हैं। पाठकों को बताता चलूं कि सुप्रीम कोर्ट ने आईआईटी, खड़गपुर से पूछा कि छात्र आत्महत्या क्यों कर रहे हैं? और संस्थान क्या कर रहा है? सुप्रीम कोर्ट ने शारदा यूनिवर्सिटी के मैनेजमेंट को कोर्ट के दिशा-निर्देशों का पालन न करने के लिए फटकार भी लगाई है।

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल दोनों राज्यों की पुलिस को चार हफ़्तों में स्टेटस रिपोर्ट देने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने सवाल उठाया कि- कॉलेज के छात्रों ने पिता को बताया कि उनकी बेटी ने आत्महत्या कर ली है? मैनेजमेंट ने क्यों नहीं बताया? मैनेजमेंट ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन क्यों नहीं किया? क्या पुलिस और अभिभावकों को सूचित करना मैनेजमेंट का कर्तव्य नहीं है? बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि माननीय सुप्रीम कोर्ट का छात्रों की आत्महत्या पर सख्त होना सही ही है, क्यों कि प्रबंधन, प्रशासन लापरवाही का परिचय दे रहे हैं और छात्रों के मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य, उनकी समस्याओं, सुरक्षा की ओर कोई भी ध्यान नहीं दे रहे हैं।

वास्तव में, छात्रों की सुरक्षा, खासकर उनका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य, संस्थानों की पहली नैतिक जिम्मेदारी और कर्तव्य होना चाहिए। यहां यह उल्लेखनीय है कि जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए 15 अहम दिशा-निर्देश जारी किए हैं। बेंच ने कहा कि ये दिशा-निर्देश तब तक लागू और बाध्यकारी रहेंगे, जब तक इस विषय में कोई कानून या नियम नहीं बन जाता। वास्तव में होना तो यह चाहिए कि सभी शैक्षणिक संस्थान छात्र-छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक समान नीति को अपनाएं और इसे लागू करें। वास्तव में, यह गंभीर चिंता का एवं संवेदनशील विषय है कि आज देशभर में अनेक संस्थान छात्र-छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य के लिए न तो कोई नीतियां ही बनातें हैं और न ही इन्हें ठीक प्रकार से लागू ही करते हैं।

शैक्षणिक संस्थानों यह चाहिए कि वे छात्र-छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक समान नीति बनाएं, उस नीति की समय-समय पर समीक्षा करें, उसे अद्यतन करें, इसे संस्थान की वेबसाइट और नोटिस बोर्ड पर सार्वजनिक एवं अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं।

छात्र-छात्राओं की अधिक संख्या वाले संस्थानों को यह चाहिए कि वे अपने यहां प्रशिक्षित काउंसलर(ट्रेंड काउंसलर), मनोवैज्ञानिक या सोशल वर्कर की नियुक्ति अनिवार्य करें ताकि बच्चों की समय-समय पर काउंसलिंग की जा सके और उनकी समस्याओं का समय रहते समाधान किया जा सके। छात्र-छात्राओं की कम संख्या वाले संस्थानों में रिलायबल(भरोसेमंद) तथा ट्रेंड आउटर मेंटल हेल्थ स्पेशलिस्ट (प्रशिक्षित बाहरी मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ) से औपचारिक रूप से सहयोग लिया जा सकता है और छात्र-छात्राओं को मार्गदर्शन और सहायता प्रदान की जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने कोचिंग संस्थानों समेत सभी शैक्षणिक संस्थानों से कहा है कि वे छात्रों को पढ़ाई के प्रदर्शन (मेरिट के आधार पर) के आधार पर बैच में न बांटने की बात कही है, क्यों कि ऐसा करने से छात्रों में शर्मिंदगी और मानसिक दबाव (मेंटल स्ट्रेस) पैदा होता है। संस्थानों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके यहां कार्यरत सभी स्टाफ (जैसे कि शिक्षण, गैर-शिक्षण और प्रशासनिक स्टाफ) सदस्यों को वंचित और हाशिये पर खड़े छात्रों के साथ संवेदनशील, समावेशी और भेदभाव रहित व्यवहार करने के लिए प्रशिक्षित हों।

सभी शिक्षण संस्थानों में यौन शोषण, उत्पीड़न, रैगिंग और जाति, वर्ग, लिंग, यौन रुझान, दिव्यांगता, धर्म या जातीयता के आधार पर होने वाली बदसलूकी की शिकायतों के लिए एक मजबूत, गोपनीय और सुलभ शिकायत व निवारण तंत्र बनाया जाना आवश्यक है। शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के लिए एक आंतरिक समिति(इंटरनल कमेटी) भी संस्थानों में होनी चाहिए। इतना ही नहीं, कमजोर और वंचित पृष्ठभूमि के छात्रों के साथ संवेदनशीलता से व्यवहार किया जाना चाहिए। दिशा-निर्देशों में यह भी साफ कहा गया है कि छात्रों की सुरक्षा, खासकर उनका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य, संस्थानों की पहली जिम्मेदारी होनी चाहिए। अगर किसी मामले में समय पर या पर्याप्त कार्रवाई नहीं की गई और इससे छात्र आत्महानि या आत्महत्या जैसा कदम उठाता है, तो यह संस्थान की लापरवाही मानी जाएगी और प्रशासन पर कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

बहरहाल, कहना चाहूंगा कि आज हमारे देश में कोटा, जयपुर, सीकर, चेन्नई, हैदराबाद, दिल्ली, मुंबई जैसी सीरीज में अनेक कोचिंग संस्थान मौजूद हैं, जहां हर वर्ष हजारों लाखों की संख्या में छात्र-छात्राएं नीट, बैंकिंग, आइआइटी जेईई मेन्स और एडवांस के साथ ही साथ अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आते हैं। इन कोचिंग संस्थानों में छात्र-छात्राओं की मेंटल हेल्थ की सुरक्षा बहुत ही आवश्यक और जरूरी है, क्यों कि कोचिंग संस्थानों में तैयारी करते समय घर से दूर रहने की स्थिति में इन छात्र-छात्राओं को अनेक प्रकार की समस्याओं से गुजरना पड़ता है।

पढ़ाई का अच्छा खासा दबाव छात्र-छात्राओं पर रहता है। ऐसे में जरुरत इस बात की है कि इन कोचिंग संस्थानों में छात्र-छात्राओं की मानसिक स्वास्थ्य सुरक्षा और रोकथाम के विशेष उपाय लागू किए जाएं। प्रायः यह देखा गया है कि इन सीटीज में छात्रों की आत्महत्या के मामले ज्यादा देखने को मिले हैं, इसलिए इन्हें खास ध्यान देने की जरूरत है। कहना ग़लत नहीं होगा कि कोटा में तो सुसाइड के आंकड़े बहुत ही डरावने हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मार्च 2025 तक ही 10 कोचिंग छात्र आत्महत्या कर चुके हैं।

पाठकों को बताता चलूं कि साल 2024 में कोटा से 17 छात्र आत्महत्या के मामले सामने आए थे। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि कुछ समय पहले ही कोटा में आत्महत्याओं के मामलों को लेकर देश की सर्वोच्च अदालत ने राजस्थान सरकार को फटकार लगाई थी और सवाल करते हुए यह पूछा था कि सिर्फ कोटा में ही आत्महत्या के मामले क्यों हो रहे हैं? राजस्थान के कोटा ही नहीं सीकर से भी सुसाइड के मामले सामने आए हैं। जानकारी के अनुसार जुलाई 2025 में ही नीट के एक स्टूडेंट ने कमरे में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया था। उसने 9 जुलाई 2025 को ही सीकर की एक कोचिंग में दाखिला लिया था और मात्र एक दिन ही कोचिंग गया था। अन्य सीटीज में भी हालात किसी से छिपे नहीं हैं।

बहरहाल, हाल ही में माननीय सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए जो 15 अहम दिशा-निर्देश जारी किए हैं, ये दिशा-निर्देश देश के सभी शिक्षण संस्थानों पर लागू होंगे, चाहे वे सरकारी हों या निजी, स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय, ट्रेनिंग सेंटर, कोचिंग संस्थान, रेजिडेंशियल एकेडमी या छात्रावास उनकी मान्यता या संबद्धता चाहे जो भी हो। पाठकों को बताता चलूं कि किसी भी कारण से तनावग्रश्त छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य सुरक्षा उपायों, अनिवार्य काउंसलिंग, शिकायत निवारण तंत्र और नियामक ढांचों को अनिवार्य बनाने हेतु ये दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

अच्छी बात यह है कि कोर्ट ने इस संदर्भ में सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को दो महीने के भीतर नियम बनाने का आदेश दिया है। इन नियमों के तहत सभी निजी कोचिंग संस्थानों का पंजीकरण, छात्रों की सुरक्षा से जुड़े मानदंड और शिकायत निवारण प्रणाली अनिवार्य किए जाने की बातें कहीं गईं हैं, यह काबिले-तारीफ है। इन संस्थानों को छात्र-छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी सुरक्षा व्यवस्था का पालन भी सुनिश्चित करना होगा। इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को भी 90 दिनों के भीतर एक हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया है।

इसमें सरकार को यह बताना होगा कि दिशा-निर्देशों को लागू करने के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं, राज्य सरकारों के साथ किस तरह समन्वय किया गया है, कोचिंग संस्थानों से जुड़े नियम बनाने की क्या स्थिति है और निगरानी की क्या व्यवस्था की गई है। इतना ही नहीं, हलफनामे में सरकार को यह भी स्पष्ट करना होगा कि छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर काम कर रही नेशनल टास्क फोर्स की रिपोर्ट और सिफारिशें कब तक पूरी होंगी? कहना ग़लत नहीं होगा कि माननीय सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश छात्रों की मेंटल हेल्थ को लेकर भारत के शैक्षणिक ढांचे में एक बड़े बदलाव की शुरुआत है, लेकिन अब देखना यह है कि केंद्र सरकार, विभिन्न राज्यों और विभिन्न संस्थानों द्वारा इसे कितनी गंभीरता से और कब लागू किया जाता है।

बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि आज हमारे देश में छात्रों द्वारा की जा रही आत्महत्याएं चिंताजनक स्थिति पर पहुंच चुकी हैं। एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं कि भारत में हर साल करीब 13, 044 छात्र आत्महत्या करते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 2022 में देश भर में कुल 1 लाख 70 हजार 924 लोगों ने आत्महत्या की। साल 2022 में 70, 924 में से 13, 044 तो छात्र ही थे, जबकि बीस साल पहले 2001 में स्टूडेंट्स की मौत के आंकड़े 5, 425 थे।

मतलब यह है इक्कीस साल में यह आंकड़ा काफी बढ़ गया। क्या यह चिंताजनक बात नहीं है कि देश में आत्महत्या करने वाले कुल लोगों में छात्रों की संख्या 7.6 फीसदी है? इसके बाद के वर्षों के आधिकारिक आंकड़े अभी तक जारी नहीं किए गए हैं, लेकिन आशंका है कि यह संख्या बढ़ी हुई हो। कहना ग़लत नहीं होगा कि छात्रों की आत्महत्याओं के पीछे मुख्य कारण शैक्षणिक और सामाजिक-पारिवारिक तनाव व दवाब के साथ-साथ कॉलेजों या संस्थाओं से मदद ना मिलना और जागरूकता का अभाव है।

बच्चों के बीच पढ़ाई में लगातार बढ़ती प्रतिस्पर्धा, अंकों की होड़ और बच्चों से माता-पिता/अभिभावकों की बहुत सी अपेक्षाएं भी सुसाइड का प्रमुख कारण बन रहीं हैं। यह विडंबना ही है कि छात्रों की मेंटल हेल्थ को लेकर न तो परिवार(माता-पिता, अभिभावक) ही गंभीर होते हैं, न ही शिक्षण संस्थान। कहना ग़लत नहीं होगा कि हताश, तनावग्रश्त व अवसाद वालों को मनोवैज्ञानिक मदद के सहारे काफी हद तक उबारा जा सकता है। हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी मन की बात कार्यक्रम के अंतर्गत 'परीक्षा पे चर्चा' (पीपीसी) करते आए हैं।

पाठकों को बताता चलूं कि हर साल शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छात्रों के सवालों के जवाब देते हैं। इसके अलावा बोर्ड परीक्षा की तैयारी, स्ट्रेस मैनेजमेंट, करियर और दूसरे विषयों पर भी बात की जाती है, लेकिन बावजूद इसके भी धरातल श्तर पर कोचिंग संस्थान कुछ करने को तैयार नहीं हैं, तो यह विडंबना ही कही जा सकती है। सारा काम सरकार नहीं कर सकती है। जिम्मेदारी सरकार के साथ ही साथ हमारी स्वयं की, अधिकारियों की, प्रशासन की तथा संस्थानों की भी है।

भारतीय अर्थव्यवस्था मृत नहीं, जीवंत और ठोस है

अर्जुन देशप्रेमी

देश में बहुत सारे लोग परेशान हैं और समझ नहीं पा रहे हैं कि भारत का क्या होगा? क्या भारत की अर्थव्यवस्था चौपट (डेड यानि मृत) हो गई है? आने वाले दिनों में क्या होगा? अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प तो कह रहे हैं कि भारत की अर्थव्यवस्था मर चुकी है और देश में विपक्ष के नेता राहुल गाँधी भी यही दोहरा रहे हैं? ये ऐसा कह रहे हैं तो कुछ तो होगा। यह प्रश्न वाजिब भी है और चिंता का कारण भी हो सकता है।

पर असलियत यह है कि ऐसा कुछ भी नहीं है। वर्तमान में भारत की अर्थव्यवस्था का मृत होना तो दूर, यह ठोस हाल में है जीवंत है और निकट भविष्य में भी कोई गड़बड़ी नहीं दिखती है। पहला सवाल यह है कि मृत अर्थव्यवस्था होती क्या है? संभवतः उत्तर होगा कि जब गलत नीतियों से देश कंगाल हो जाए, खाने को अनाज न हो, देश में उत्पादन ठप्प हो, व्यापार ठप्प हो, विदेश से ख़रीदने के लिए ख़ज़ाने में पैसे न हों, सैनिकों को देने के लिए तनख्वाह न हो, सैन्य सामानों के लिए पैसे न हों, बेरोजगारी के कारण गृहयुद्ध छिड़ा हो, पहनने को कपड़े न हों, दूसरों के रहमों करम पर देश हो, उनके हर आदेश को मानने की विवशता हो, लोग भूखे मर रहे हों, महंगाई बढ़ने की दर आसमान छू रही हो, तो कहा जा सकता है कि उस देश की अर्थव्यवस्था मर चुकी है (मृत है) जैसा कि डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है और जिसे राहुल गाँधी और कुछ और नेता दोहरा रहे हैं।

पर आप स्वयं देखिये और विचार कीजिये कि क्या ऐसी कोई भी स्थिति देश में है? क्या 1966 की तरह भारतीयों के सामने भुखमरी की समस्या है? क्या हम वैसा गेहूं, जिसे अमेरिका में जानवरों को खिलाया जाता था, के खेप के मुफ्त में अमेरिका से आने का इन्तजार कर रहे हैं? और तो छोड़यि क्या देश में लोग राशन की दुकानों में, गैस की लाइन में लगे हैं, या किरासन तेल की लाइन में? और तो और क्या 1991 की तरह देश का सोना गिरवी रखना पड़ रहा है? ऐसा तो कुछ भी नहीं है। उल्टा हम खाने पीने से लेकर ज्यादातर सामानों का निर्यात ही कर रहे हैं। आज भारत की अर्थव्यवस्था सकल घरेलू उत्पाद की दृष्टि से विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है जबकि क्रय-शक्ति समता की दृष्टि से विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

भारत दुनिया की 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। देश में लगभग 700 अरब डॉलर के विदेशी मुद्रा भंडार है। भारत का सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी 2014 की तुलना में दोगुने से ज्यादा हो गई है। स्थिर मूल्यों पर प्रति व्यक्ति शुद्ध राष्ट्रीय आय 2014-15 में 72,805 रुपये थी, जो अब 1,14,710 रु तक पहुंच गयी। यह पिछले एक दशक की तुलना में 41,905 रुपये की वृद्धि है।

भारतीय अर्थव्यवस्था अभी कितनी मज़बूत है इसका अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि भारत वैश्विक श्तर पर सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

जहाँ अमेरिका की जीडीपी विकास दर 1.8 प्रतिशत के आसपास रह गई है, वहीं भारत की 6.5 प्रतिशत के आसपास। चीन भी भारत से पीछे है। जापान, ब्रिटेन, फ्रांस जैसे विकसित दश भारत से पीछे जा चुके हैं। और ऐसा इसलिए हुआ है कि देश में मज़बूत घरेलू माँग, महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे के विकास, ग्रामीण माँग में वृद्धि और सहायक सरकारी नीतियों ने अपना अपना काम किया है।

मुद्रास्फीति (महंगाई दर) में उल्लेखनीय कमी आई है, जो अप्रैल 2025 में लगभग छह साल के निचले श्तर 3.2% पर पहुँच गई। खाद्य मुद्रास्फीति में भी अप्रैल में लगातार छठे महीने गिरावट आई है। 2024-25 में निर्यात 824।9 अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्च श्तर पर पहुँच गया है। वित्त वर्ष 2024-25 में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रवाह 14% बढ़कर 81.04 अरब डॉलर हो गया है। हाल के वर्षों में रुपये की अस्थिरता में उल्लेखनीय कमी आई है, जिससे यह एशिया की सबसे स्थिर मुद्राओं में से एक बन गई है।

आप अमेरिका पोषित एजेंसियों की रिपोर्ट ही देखें तो भारत की मज़बूत घरेलू खपत, बढ़ते निवेश और मज़बूत बैंकिंग क्षेत्र से विकास को और गति मिलने की उम्मीद है। हालाँकि कुछ चुनौतियाँ मौजूद हैं। पर एक प्रगतिशील और विकासोन्मुख अर्थव्यवस्था के लिए यह जरूरी भी है। पर उपरोक्त तथ्यों पर गौर करें तो पायेंगे कि भारत की अर्थव्यस्था मृत (डेड) नहीं, ठोस और जीवंत है।

समग्र दृष्टिकोण सकारात्मक बना हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के यह कहने में कोई दम नहीं है कि भारत की अर्थव्यवस्था 'डेड' है। और फिर राहुल गाँधी के तो कहने ही क्या जिनको न तो इतिहास के तथ्य मालूम हैं, न ही अर्थव्यवस्था के आंकड़े। उनको तो बस सत्ता के लिए कुछ भी ऐसा बोलना है जिससे मोदी को नीचा दिखाया जा सके भले ही इससे देश नीचा क्यों न दिखाया जा रहा हो।

पर इस बार तो पूर्व केन्द्रीय मंत्री और उनके खास राजीव शुक्ला ने भी राहुल गाँधी को आइना दिखाया है। उनके साथी कई दलों के नेताओं ने भी ट्रम्प और राहुल गाँधी के उलट भारतीय अर्थव्यवस्था को बेहतर बताया है। रही बात अमेरिकी टैरिफ की, तो इससे भारत पर असर तो पड़ेगा पर कोई खास नहीं।

याद कीजिये जब भारत ने 1998 का परमाणु परीक्षण किया था और अमेरिका ने व्यापार तथा पैसा रोक दिया था, तब भी भारत की अर्थव्यवस्था 8 प्रतिशत के बराबर 2008 तक बढ़ी थी। बाद में अमेरिका को ही पीछे हटना पड़ा था।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

पार्वती नदी का रौद्र रूप...पानी में तिनके की तरह बह गया कैंटर, नजारा देखकर लोग हैरान

आगरा , एजेंसी। आगरा के लादूखेड़ा में पार्वती नदी में आई बाढ़ के चलते कैंटर बह गया। कैंटर सवार चार लोग डूब गए, जिनमें से दो को सुरक्षित निकाल लिया गया। बताया गया है कि राजस्थान स्थित आगई बांध से पानी का डिस्चार्च किया गया। इस वजह से राजस्थान सीमा स्थित कुसेंडा गांव के पास बनी रपट पर पार्वती नदी सात फुट ऊंचा बह रही है। इसी वजह से ये हादसा हुआ। पानी में कैंटर सवार चार लोग डूब गए, जिनमें से दो को रेस्क्यू कर सुरक्षित निकाल लिया गया। दो की तलाश की जा रही है। घटनाक्रम के अनुसार शुक्रवार सुबह कैंटर गोबर चौकी ताजगंज आगरा से लादूखेड़ा होते हुए कबाड़ा लेने मनिया जा रहा था। कैंटर में चालक सहित चार लोग सवार थे। आगरा ग्वालियर हाईवे स्थित टोल से बचने के लिए ड्राइवर कैंटर को राजस्थान स्थित कुसेंडा गांव के पास बनी रपट पर पार्वती नदी से होते हुए मनिया ले जा रहा था। रास्ते में ग्रामीणों ने कई बार ड्राइवर को उस रास्ते जाने से मना किया परंतु उसने किसी की ना सुनी।

ग्रामीणों के मना करने के चलते कैंटर सवार मुकेश पुत्र मोहन सिंह निवासी बमरौली कटरा नदी शुरू होने से पहले ही कैंटर से उतर गया। थोड़ा आगे ही रपट की ओर बढ़ते ही तीन फुट ऊपर बह रहे पानी के तेज बहाव के चलते कैंटर नदी में डूबने लगा। इस दौरान रवि पुत्र हीर सिंह निवासी गोबर चौकी ताजगंज कैंटर से कूद गया। कैंटर में पड़े कुछ प्लास्टिक के बोरों के सहारे मौके पर एकत्रित ग्रामीणों ने उसे एक टीले पर ले जाकर बिठा दिया, जिसे बाद में रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान बाहर निकाल लिया गया। चालक राकेश और मुकेश निवासी गोबर चौकी ताजगंज कैंटर के साथ नदी में डूब गए।

घटना के एक घंटे बाद राजस्थान प्रशासन मौके पर पहुंची। गोताखोरों की मदद से डूबे हुए दो लोगों की तलाश शुरू की गयी है। मुकेश ने बताया कि जलस्तर से इतना ऊपर पानी बहने के बाद भी रास्ते पर कोई बैरिकेडिंग नहीं की गई थी। यदि पुलिस द्वारा पहले से ही बैरिकेडिंग की गई होती तो शायद आज ये घटना होने से रोकी जा सकती थी।

ट्रिपल मर्डर का आरोपी अभय गिरफ्तार, मां-बाप-बहन को कुल्हाड़ी से काटकर ली थी जान

गाजीपुर, एजेंसी। गाजीपुर शहर कोतवाली क्षेत्र के डिलियां गांव की यादव बस्ती में बहन और माता-पिता को कुल्हाड़ी से काटकर तीन हत्या करने का आरोपी अभय उर्फ भुट्टन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को चौकिया तिराहा के पास से पुलिस ने गिरफ्तार किया।

इस वजह से की थी हत्या: पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसकी बहन कुसुम यादव की पहली शादी जैतपुरा गांव में हुई थी। वहां शादी टूट गई। इसके बाद उसकी दूसरी शादी की गई। वहां भी रिश्ता खराब करके कुसुम मायके आ गई। यहां पिता को मेरे खिलाफ खड़ा कर दिया। पिता ने कुसुम के नाम जमीन रजिस्ट्री कर दिया। मुझे बर्बाद करने पर तुली थी। इसी वजह से कुल्हाड़ी से हमला कर माता- पिता और बहन कुसुम की हत्या कर दी थी।

27 जुलाई को हुई थीं वारदात: डिलियां गांव की यादव बस्ती में रविवार की दोपहर में गांव में सबकुछ सामान्य था लेकिन बहन के नाम पर खेत किए जाने से नाराज अभय ने दो मिनट के अंदर करीब 15 फीट के दायरे में बहन, पिता और मां की लाशें बिछा दी थी। उसने हेलमेट पहने घर पहुंची बहन को दौड़ाकर खेत में कुल्हाड़ी से वार कर मारा था। इसके बाद माता- पिता की भी जान ले ली थी।

कलैक्ट्रेट कार्मिक मनोज कुमार कश्यप बने जिलाध्यक्ष

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

प्रदेशीय चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ, जनपद शाखा अलीगढ़ की बैठक में सर्वसम्मति से मनोज कुमार कश्यप को जिलाध्यक्ष एवं वीरेश कुमार को जिला मंत्री के रूप में मनोनीत किया गया, साथ ही संगठनात्मक सुदृढ़ता एवं मार्गदर्शन के लिए नरेश कुमार तिवारी को जिला संरक्षक और हुकम सिंह बघेल को जिला सलाहकार के रूप में दायित्व सौंपा गया।

महासंघ के प्रांतीय अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए निर्देशित किया कि वे आगामी एक माह के भीतर जिला कार्यकारिणी का विश्तार कर उसकी सूची प्रदेश कार्यालय को उपलब्ध कराएं। श्री सिंह ने कहा कि यह नवगठित टीम जिले के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए एकजुट होकर संघर्ष करेगी और उनके हितों की रक्षा व उत्थान के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहेगी। जिलाध्यक्ष मनोज कश्यप ने कहा कि महासंघ की यह पहल चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के संगठित स्वरूप को नई ऊर्जा प्रदान करेगी और भविष्य में जिले में कर्मचारियों की आवाज को और अधिक प्रभावी तरीके से उठाया जाएगा।

एक शातिर चोर गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु द्वारा चलाये जा रहे अभियान ऑपरेशन निहत्था के क्रम में थाना सिविल लाईन व एंटी थैफ्ट सैल की संयुक्त टीम द्वारा एक शातिर चोर शाजेब उर्फ राहुल पुत्र मुनन निवासी जमालपुर फाटक हमदर्द नगर डी थाना सिविल लाइन को एक तमंचा 315 बोर मय एक जिन्दा कारतूस 315 बोर व चोरी की मोटर साईकिल पेशन प्लस रजिस्टर्ड संख्या यू0पी0 81 जी0 3402 के साथ बरौला जाफराबाद से बरौला बाईपास की ओर आने वाले राश्ते पर बनी पानी की टंकी के पास से गिरफ्तार किया।

दो शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना खैर पुलिस टीम ने दो शातिर अभियुक्त सुभाष उर्फ शिवा पुत्र मित्रप्रकाश निवासी ग्राम नगला कलार नियर चौब सिंह स्कूल थाना बन्नादेवी जिला अलीगढ व अरून पुत्र शिशुपाल निवासी नगला कलार नियर चौब सिंह स्कूल थाना बन्नादेवी जिला अलीगढ़ को एक तमंचा 315 बोर मय दो जिन्दा कारतूस 315 बोर, एक छुरी के सहित विगत 26 जूलाई 2025 को सोमना खैर रोड गुरूकुल स्कूल के पास से छिने गये एक मोबाईल सैमसंग गैलेक्सी ए 13 तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाईकिल संख्या यू0पी0 81 डी0जी0 2215 व यू0पी0 81 बी0के0 2491 के साथ गिरफ्तार किया।

मोटरसाईकिल सहित दो अभियुक्त गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों कि गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना महुआखेडा पुलिस द्वारा दो शातिर चोर अभियुक्त शिवम शर्मा पुत्र अशोक शर्मा निवासी तलासपुर कला थाना महुआ खेड़ा जनपद अलीगढ़ व नितिन शर्मा पुत्र अशोक शर्मा निवासी तलाशपुर कला थाना महुआ खेड़ा जनपद अलीगढ़ को चोरी की मोटरसाईकिल के साथ सुखरावली बम्बे के पास से गिरफ्तार किया। पूछताछ में बताया कि शिवम व नितिन उपरोक्त अपने साथी मोनू उर्फ सोहन पुत्र रमेश निवासी दारापुर थाना हरदुआगंज के साथ मिलकर इस चोरी की मोटरसाईकिल को बेचने के लिये जा रहे थे।

स्वतंत्रता दिवस प्रदेश में उत्सव के रूप में मनाया जाएगा : मंडलायुक्त

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

मंडलायुक्त श्रीमती संगीता सिंह ने बताया है कि उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशों के अनुपालन में स्वतंत्रता के अमृत काल में आगामी स्वतंत्रता दिवस 15 अगश्त 2025 को ''हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान'' की भावना के साथ सम्पूर्ण अलीगढ़ मण्डल में उत्सव के रूप में मनाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जारी विश्तृत दिशा-निर्देशों के अनुरूप मण्डल श्तर से लेकर ग्राम श्तर तक विविध कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई है। इन आयोजनों में संविधान के मूल्यों, स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान और नागरिक कर्तव्यों पर आधारित गतिविधियाँ प्रमुखता से आयोजित की जाएंगी। मंडलायुक्त ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल एक तिथि नहीं, बल्कि यह हमारी राष्ट्रीय चेतना, आत्मगौरव और लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

बागपत में ढाबे पर थूककर रोटी बनाता दिखा कारीगर, वीडियो वायरल होने पर फैला रोष

बागपत , एजेंसी। बागपत जनपद के दिल्ली-सहारनपुर नेशनल हाईवे पर स्थित खेकड़ा पाठशाला पुलिस चौकी के पास एक ढाबे से शर्मनाक हरकत सामने आई है। यहां एक कारीगर को रोटी पर थूककर उसे तंदूर में सेंकते हुए देखा गया। घटना का वीडियो मौके पर मौजूद किसी ग्राहक ने बना लिया, जो कुछ ही देर में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

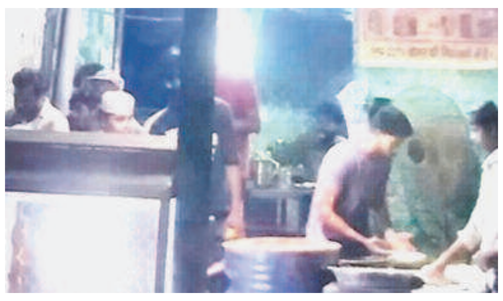

वीडियो सामने आने के बाद ढाबे पर जमकर हंगामा हुआ। ग्राहकों और स्थानीय लोगों ने कारीगर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। लोगों ने कहा कि इस तरह की हरकत न सिर्फ घिनौनी है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए बेहद ख़तरनाक भी है।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने वायरल वीडियो के आधार पर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की पूरी गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि इससे पहले भी बागपत जिले में ढाबों पर थूककर रोटियां बनाने के कई वीडियो वायरल हो चुके हैं, जिनमें पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार भी किया था।

घर से चूरन समझ कर लाए विषाक्त को आंगनबाड़ी में बच्चों ने खाया, आठ की तबीयत खराब, मेडिकल रेफर

अलीगढ़ , एजेंसी। अतरौली के गांव नरौना आकापुर के कंपोजिट स्कूल प्रांगण में संचालित स्मार्ट आंगनबाड़ी केंद्र में एक बालिका चूरन समझकर घर से पाउच ले आई। जिसे बालिका ने खुद खा लिया और अपने साथ पढ़ने वाले आठ बच्चों को भी खिला दिया। इससे बच्चों की हालत बिगड़ गई उन्हें मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

अपराह्न करीब 11 बजे आंगनबाड़ी में बच्चे दोपहर का खाना मिलने से पहले पढ़ रहे थे। इसी दौरान अचानक कमरे में दुर्गंध फैलने लगी। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता चंद्रवती, महेंद्र कौर, योगेश ने बच्चों से पूछा कि ये दुर्गंध तो बड़ी अजीब है, किसी ने कुछ खाया है क्या। तभी एक बच्ची ने पाउच फेंका। आंगनबाड़ी ने तत्काल उस पाउच को देखा तो वह गेहूं को घुन से बचाने के लिए उसमें रखने वाली दवा थी।

उन्होंने बच्ची से पूछा कहां से लाई है तो उसने बताया कि घर की अलमारी में रखा था, वहां से लाई। आंगनबाड़ी ने यह बात स्कूल की

शिक्षिकाओं को बताई तो उन्होंने बिना देरी किए स्कूल के बाहर मौजूद ग्रामीणों की मदद से बच्चों को बाईकों के द्वारा तत्काल अतरौली के 100 शैय्या अस्पताल में भिजवाया। जहां प्राथमिक उपचार देकर बच्चों को जेएन मेडिकल कॉलेज भेजा।

जिसमें 4 वर्षीय मुस्कान पुत्री वीरेश, 5 वर्षीय निखिल पुत्र डोरीलाल, 4 वर्षीय राधिका पुत्री सोनू, 5 वर्षीय नेहा पुत्री प्रशांत, काका पुत्र प्रशांत,3 वर्षीय रोशनी पुत्री सोनू, 4 वर्षीय सुमन पुत्र प्रेमशंकर, 3 वर्षीय यश पुत्र प्रेमशंकर की हालत बिगड़ गई। एमओआईसी डॉ अवनेंद्र यादव ने बताया कि बच्चों की हालत विषाक्त खाने से बिगड़ी है। हालत खतरे से बाहर है। फिर भी बेहतर इलाज के लिए बच्चों को हायर सेंटर रेफर किया गया है।

संभल हिंसा: जामा मस्जिद कमेटी के सदर की हुई रिहाई, जुलूस के साथ संभल पहुंचे

बोले- जनता चाहेगी तो लड़ूंगा चुनाव

संभल , एजेंसी। जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हुए बवाल में गिरफ्तार किए गए जामा मस्जिद कमेटी के सदर जफर अली एडवोकेट की शुक्रवार को रिहाई हो गई है। वह जेल से जब संभल पहुंचे तो लोगों ने जोरदार स्वागत किया। आतिशबाजी की गई और फूल मालाएं डालीं। सदर कार में खड़े होकर लोगों को हाथ हिलाते आगे बढ़े। सदर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि जिस बयान में वह जेल गए हैं। वह बयान तो अब खत्म हो गया। अदालत की लड़ाई अब अदालत में देखी जाएगी।

जामा मस्जिद कमेटी सदर 23 मार्च से जेल में बंद थे। उन पर बवाल की साजिश रचने और गंभीर अपराध में झूठे बयान देने समेत कई गंभीर आरोप हैं। चार्जशीट में इसका उल्लेख किया गया है। सदर की जमानत सेशन कोर्ट से खारिज हो गई थी। इसके बाद परिजन हाईकोर्ट पहुंचे थे। जहां से 24 जुलाई को जमानत मिल गई थी, लेकिन चार्जशीट दाखिल होने के दौरान पुलिस ने विवेचना कर बीएनएस की धारा 353(2), 61(2) बढ़ाई थीं। इसके चलते उनकी जमानत के लिए बुधवार को एमपी/एमएलए कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया था। जहां जमानत खारिज कर दी थी। इसके बाद एमपी/एमएलए कोर्ट सत्र न्यायालय में बृहस्पतिवार को सुनवाई हुई थी। जहां से जमानत मिल थी। अब उनकी रिहाई हो गई है।

जनता चाहेगी तो विधानसभा चुनाव भी लड़ूंगा: जेल से रिहा होकर घर पहुंचे जामा मस्जिद कमेटी सदर जफर अली एडवोकेट ने एक सवाल के जवाब में कहा कि अगर जनता चाहेगी तो वह चुनाव लड़ेंगे। आगे कहा कि कोई भी लड़ाई लड़ने के लिए पावर होना जरूरी है। यदि मेरे हाथ में पावर होती तो मैं जेल नहीं जाता। इसलिए चुनाव का फैसला जनता को करना है।

मुठभेड़ में दो पशु तस्कर गिरफ्तार, दोनों के लगी गोली, चौंकाने वाली है इनकी क्राइम कुंडली

देवरिया , एजेंसी। बरियारपुर थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार की देर रात को पुलिस और पशु तस्करों के बीच हुई मुठभेड़ में दो वांछित अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया। मुठभेड़ के दौरान दोनों तस्करों के पैरों में गोली लगी, जिन्हें इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों की पहचान खुर्शीद शाह (कुशीनगर) और मुनाब अली (गोपालगंज, बिहार) के रूप में हुई है। दोनों अपराधी कई संगीन मामलों में वांछित थे और उनके पास से अवैध हथियार भी बरामद किए गए हैं।

बृहस्पतिवार को ग्राम बरूआडीह के पास एक पिकअप वाहन ने जान से मारने की नीयत से एक ई-रिक्शा में टक्कर मार दी थी। हादसे में ई-रिक्शा चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। स्थानीय लोगों ने घटना के विरोध में सड़क पर धरना प्रदर्शन भी किया। सूचना पर पहुंची पुलिस घटनास्थल से ही दो संदिग्धों को गिरफ्तार कर थाने लाई और केस दर्ज कर लिया। जांच के क्रम में जब पुलिस अभियुक्तों को घटनास्थल के निरीक्षण के लिए दोबारा लेकर गई, तो उन्होंने वाहन में छिपाए गए अवैध तमंचों से पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी और भागने की कोशिश की। पुलिस द्वारा आत्मरक्षा में की गई जवाबी कार्रवाई में दोनों अभियुक्तों के पैरों में गोली लगी। पुलिस ने तुरंत उन्हें काबू में लिया और इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाया।

अभियुक्तों का आपराधिक इतिहास चौंकाने वाला : खुर्शीद शाह के खिलाफ कुशीनगर जिले के विभिन्न थानों में हत्या प्रयास, अवैध हथियार और गोकशी से जुड़े कुल 7 मामले दर्ज हैं। इनमें खड्डा, पडरौना और कसया थानों में दर्ज गंभीर धाराएं शामिल हैं। वहीं, मुनाब अली के खिलाफ भी आयुध अधिनियम और चोरी की साजिश रचना जैसे आरोपों में तीन केस कुशीनगर के थानों में दर्ज हैं। इन दोनों अपराधियों की आपराधिक पृष्ठभूमि पशु तस्करी के बड़े नेटवर्क की ओर इशारा करती है। मुठभेड़ के बाद अभियुक्तों के कब्जे से दो देसी तमंचे, पांच कारतूस और दो खोखा बरामद किए गए हैं। बरामद हथियारों से यह साफ है कि ये अपराधी पहले से ही पुलिस पर हमला करने की तैयारी में थे। इस पूरी कार्रवाई में बरियारपुर थाना पुलिस की सक्रिय भूमिका रही।

राखी से पहले बहन के खून से भाई ने रंग ली कलाई, मां-बाप को भी कुल्हाड़ी से काट डाला; रूह कंपा देगी ये कहानी

गाजीपुर, एजेंसी। रक्षाबंधन भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का त्योहार है। ऐसे में इस त्योहार का इंतजार हर भाई- बहन को पूरे साल रहती है। इस बार भी 9 अगस्त को रक्षाबंधन का त्योहार मनाने के लिए सभी उत्साहित हैं। इसी बीच एक भाई ने अपनी ही बहन के खून से अपने हाथों को रंग डाला। इतना ही नहीं उसने अपनी माता- पिता को भी मौत की नींद सुला दी।

इस वजह से की थी हत्या: हम बात कर रहे हैं उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के डिलियां गांव की यादव बस्ती की। इस बस्ती में 27 जुलाई यानी बीते रविवार को एक ऐसा घटना घटी जिसको सुनकर हर किसी का कलेजा दहल उठा। डिलियां गांव में अभय यादव उर्फ भुट्टन ने कुल्हाड़ी से वार कर पिता शिवराम यादव, मां जमुनी देवी और बहन कुसुम यादव की हत्या कर दी थी। इसकी वजह थी कि पिता ने बहन कुसुम के नाम पर अपनी जमीन रजिस्ट्री कर दी थी।

रक्षाबंधन की तैयारी में जुटी थी बहन कुसुम: रविवार की दोपहर में गांव में सबकुछ सामान्य था लेकिन बहन के नाम पर खेत किए जाने से नाराज अभय ने दो मिनट के अंदर करीब 15 फीट के दायरे में बहन, पिता और मां की लाशें बिछा दीं। चौंकाने वाली बात तो ये है कि बहन कुसुम नौ अगस्त को रक्षाबंधन की तैयारी में जुटी हुई थी। हत्यारोपी अभय कुसुम का अकेला सगा भाई था। ऐसे में घटना से पूरे गांव में सन्नाटा पसरा है।

जमीन रजिस्ट्री को लेकर हो रहा था विवाद: घटना वाले दिन रोजाना की तरह बहू मुन्नी ने खाना बनाया और परिवार के लोगों ने उसे खाया। इसके बाद वह अपनी सास जमुनी देवी के साथ कमरों की गोबर से लिपाई कर रही थी। इधर, बहन को खेत की रजिस्ट्री करने पर अभय अपने पिता शिवराम से झगड़ रहा था। बहू भी सास से झुंझला रही थी।

अभय के हाथ में कुल्हाड़ी देखकर भागी थी कुसुम: इसी बीच बात बढ़ गई, तभी कुसुम स्कूटी से वहां पहुंच गई। वह स्कूटी पुराने घर पर खड़ी कर निर्माणाधीन मकान की तरफ बढ़ रही थी, तभी अभय कुल्हाड़ी लेकर दौड़ पड़ा। अभय को देख हेलमेट पहने कुसुम धान के खेत की तरफ भागी, लेकिन अभय ने कुल्हाड़ी से कई वार कर बहन को मार डाला।

रिमझिम बरस रहा सावन, कई इलाकों में तेज बारिश, अगले दो दिन ऐसा रहेगा मौसम का हाल

मेरठ , एजेंसी। मेरठ और आसपास के इलाकों में पिछले दो दिन से रिमझिम बारिश का सिलसिला जारी है। शुक्रवार सुबह से भी हल्की बूंदाबांदी और घने बादलों की मौजूदगी से मौसम पूरी तरह बदल गया है। लगातार हो रही इस बारिश ने लोगों को गर्मी से राहत दी है और तापमान में गिरावट दर्ज की गई है।

मौसम विभाग के अनुसार अभी दो-तीन दिन तक इसी तरह बारिश जारी रहने की संभावना है। सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ. यू.पी. शाही के मुताबिक अगले 48 से 72 घंटे में 40 से 50 मिलीमीटर तक बारिश हो सकती है, जो न सिर्फ राहत देने वाली होगी बल्कि फसलों के लिए भी फायदेमंद साबित होगी।

इस बार मानसून समय पर आया है और बीते वर्ष की तुलना में करीब 51त्न ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में यह बारिश खासतौर पर धान की बुवाई के लिए अनुकूल साबित हो रही है। किसान समय रहते खेती में जुट गए हैं। जुलाई भर रुक-रुक कर बारिश होती रही, जिससे जमीन में नमी बनी हुई है। लोगों को आने वाले दिनों में भी मौसम से इसी राहत की उम्मीद है, हालांकि साथ ही उमस से भी सतर्क रहना होगा।

आगरा में टूटने की कगार पर 10 हजार शादियां

दंपतियों में झगड़े की ऐसी वजह; जानकर रह जाएंगे हैरान

आगरा , एजेंसी। शादी को 20 साल हो गए। पति अक्सर रात में फोन पर दूसरे से बात करता था। पत्नी जागती थी तो फोन काट देता था। पत्नी के पूछने पर पति ने नहीं बताया तो बात बढ़ गई। 6 साल से दोनों अलग रह रहे हैं। पत्नी को शक है कि पति के किसी और से संबंध हैं। पति आरोप को गलत बता रहा है। यह मामला एक बानगी है। परिवार न्यायालय में ऐसे 10 हजार से अधिक केस चल रहे हैं। शक के कीड़े ने जहां दंपती को अलग कर रखा है वहीं बच्चों के भविष्य पर भी संकट मंडरा रहा है।

केस-1: लोहामंडी थाना क्षेत्र की युवती की शादी 2004 में बाह क्षेत्र में हुई थी। पत्नी सरकारी कर्मचारी है। दोनों के तीन बच्चे हैं। पत्नी का आरोप है कि पति रात-रात भर फोन पर बात करता रहता था। पूछने पर कोई जवाब नहीं देता। उल्टा उस पर ही शक करता। सास-ससुर से शिकायत की तो उन्होंने भी अपने बेटे का पक्ष लिया। बात मारपीट तक पहुंची तो 2019 में मायके आ गई। तब से मायके में है। करीब 6 साल से परिवार न्यायालय में न्याय की लड़ाई लड़ रही हैं।

केस-2: सिकंदरा थाना क्षेत्र की युवती की शादी 2019 में दिल्ली में हुई थी। पति कारोबारी है। दोनों में 2023 में विवाद हो गया। पत्नी मायके गई। जब पति लेने नहीं आया तो परिवार न्यायालय में वाद दायर कर दिया। काउंसलिंग में दोनों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाए। पत्नी का कहना है कि पति रोज शराब पीकर घर आता था। इसके बाद बिना बात के मारपीट करता। पति ने आरोप लगाया कि पत्नी किसी अनजान युवक से फोन पर बात करती थी। विरोध पर मारपीट पर उतारू हो जाती थी। अब दोनों एक-दूसरे के साथ रहने के लिए तैयार नहीं है।

केस-3: मलपुरा थाना क्षेत्र की युवती की 2022 में मथुरा निवासी युवक के साथ शादी हुई थी। शादी के दो साल बाद ही पति-पत्नी दोनों में विवाद हो गया। पत्नी झगड़ा कर मायके में रहने लगी। पति लेने नहीं पहुंचा तो परिवार न्यायालय में वाद दायर कर दिया। पत्नी ने आरोप लगाया कि पति जब देखो फोन पर लगा रहता है। ठीक से बात भी नहीं करता। कई घूमने जाने की बोलो तो मारपीट करता है। पति का आरोप है कि पत्नी घर की मालकिन बनना चाहती है। मां के होते हुए उसे हक कैसे मिल सकता है। वह अब भी पत्नी को रखने के लिए तैयार है।

टेस्ट टीम में वापसी को आतुर श्रेयस अय्यर! दलीप ट्रॉफी में खेलने को तैयार

सरफराज खान और शिवम दुबे ने भी जाहिर की इच्छा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने पश्चिम क्षेत्र की ओर से दलीप ट्रॉफी में हिस्सा लेने के लिए खुद को उपलब्ध बताया है। दलीप ट्रॉफी 28 अगस्त से शुरू होगी और क्षेत्रीय चयन शुक्रवार एक अगस्त 2025 की दोपहर को मुंबई में होगा। श्रेयस अय्यर के अलावा मुंबई के मध्यक्रम के बल्लेबाज सरफराज खान और ऑलराउंडर शिवम दुबे ने भी खेलने के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि की है। दोनों ने इस बारे में मुंबई क्रिकेट संघ को सूचित कर दिया है।

फरवरी 2024 से भारत के लिए नहीं खेला टेस्ट क्रिकेट: मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के एक सूत्र ने द इंडियन एक्सप्रेस को इसकी पुष्टि करते हुए बताया, 'श्रेयस अय्यर ने हमें सूचित किया है कि वह दलीप ट्रॉफी में खेलने के लिए उपलब्ध है। सरफराज, शिवम दुबे और तुषार देशपांडे जैसे अन्य खिलाड़ियों ने अपनी उपलब्धता की पुष्टि की है।' श्रेयस अय्यर ने भारत के लिए 14 टेस्ट खेले हैं। उसमें उन्होंने 5 अर्धशतक और एक शतक बनाया है।

श्रेयस अय्यर ने हालांकि इंग्लैंड के खिलाफ फरवरी 2024 के बाद से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रेड बॉल क्रिकेट (खेल का सबसे लंबा फॉर्मेट) नहीं खेला है। वह हालांकि उस भारतीय टीम का अहम हिस्सा थे, जिसने इस साल के शुरू में दुबई में 50 ओवर्स की चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। हाल ही में, श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब किंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 का फाइनल खेला था। जहां उसे अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से हार झेलनी पड़ी थी। श्रेयस अय्यर को इंग्लैंड के भारतीय टेस्ट दौरे के लिए नहीं चुना गया है। चयनकर्ताओं ने उन पर करुण नायर को तरजीह दी। करुण नायर ने हाल ही में घरेलू क्रिकेट में शानदार वापसी की थी। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि चयन समिति उन खिलाड़ियों को चुनेगी जो भारतीय टेस्ट मैच टीम का हिस्सा हैं, जो वर्तमान में इंग्लैंड के खिलाफ खेल रहे हैं। मौजूदा भारतीय खिलाड़ी पिछले चार महीनों से घर से दूर हैं, और उन्हें एक अच्छे ब्रेक की जरूरत हो सकती है।

मेसी दिसंबर में भारत दौरे पर आएंगे, 4 दिसंबर को मुंबई में एक इवेंट में शामिल होंगे, तीन शहरों का दौरा करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी दिसंबर में भारत दौरे पर आएंगे। मेसी 14 साल के लंबे समय के बाद भारत आ रहे हैं। वो 13 से 15 दिसंबर तक भारत में रहेंगे और कुल तीन शहरों का दौरा करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, मेसी 13 से 15 दिसंबर तक कोलकाता, दिल्ली और मुंबई का दौरा करेंगे। मुंबई में वानखेड़े स्टेडियम 14 दिसंबर को एक इवेंट में शामिल होंगे। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के एक सूत्र ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया, कुछ क्रिकेटर्स भी इस इवेंट में शामिल होंगे। ईडन गार्डन्स स्टेडियम भी जाएंगे इसके अलावा मेसी कोलकाता भी जाएंगे और वहां उनको ईडन गार्डन में सम्मानित किया जाएगा। इस इवेंट में वेस्ट बंगाल की चीफ मिनिस्टर ममता बनर्जी भी शामिल हो सकती हैं। मेसी कोलकाता में बच्चों के लिए एक फुटबॉल वर्कशॉप भी आयोजित करवाएंगे और साथ ही वो फुटबॉल क्लिनिक भी लॉन्च करेंगे। फ्रेंडली मैच भी खेलेंगे इससे पहले, 6 जून को केरल के स्पोर्ट्स मिनिस्टर वी. अब्दुरहीमन नहीं इस बात की पुष्टि की थी कि अर्जेंटीना फुटबॉल टीम जिनकी कप्तानी लियोनेल मेसी करेंगे वो अक्टूबर या नवंबर में केरल एक फ्रेंडली मैच खेलने आएंगे। ये मुकाबला तिरुवंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में होगा। केरल सरकार से इसकी बात हो चुकी है। साल 2011 में भारत आए थे मेसी मेसी सहित अर्जेंटीना फुटबॉल टीम पिछली बार 2011 में वेनेजुएला के खिलाफ इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच के लिए भारत आई थी। अर्जेंटीना और वेनेजुएला के बीच यह मैच 2 सितंबर को कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में खेला गया था। इस मैच में मेसी के असिस्ट से निकोलस ओटामेंडी ने दूसरे हाफ में हेडर से गोल कर अर्जेंटीना को 1-0 से जीत दिलाई थी।

भारतीय फुटबॉल कप्तान ने एएफसी महिला एशियाई कप में सफलता पाने का राज बताया

उदयपुर, एजेंसी। भारतीय महिला फुटबॉल टीम को अगले साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा क्योंकि उन्हें जापान, वियतनाम और चीनी ताइपे के साथ ग्रुप सी में रखा गया है। भारतीय फुटबॉल टीम की कप्तान स्वीटी देवी ने टूर्नामेंट की अच्छी तैयारी के लिए मैत्रीपूर्ण मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत पर जोर दिया है।

भारतीय टीम महिला एशियाई कप की शुरुआत ग्रुप सी में 4 मार्च, 2026 को वियतनाम के खिलाफ मैच से करेगी। इसके बाद उनका सामना 7 मार्च को जापान और 10 मार्च को चीनी ताइपे से होगा। उदयपुर के पास जावर में जिंक फुटबॉल गर्ल्स अकादमी के शुभारंभ के दौरान स्वीटी ने कहा, यह टूर्नामेंट हमारे लिए एक कठिन चुनौती होगी, लेकिन हम इसके लिए तैयार हैं। हम अगले साल मार्च तक कई मैत्री मैच खेलेंगे और उन मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने का लक्ष्य रखेंगे। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) महिला फुटबॉल के विकास के लिए अकादमी को तकनीकी और रणनीतिक सहायता प्रदान करेगा। जिंक फुटबॉल अपनी तरह की एक अनूठी जमीनी स्तर की फुटबॉल विकास पहल है, जिसके मूल में विश्व स्तरीय सुविधाओं वाली एक पूर्ण आवासीय गर्ल्स फुटबॉल अकादमी और देश की पहली तकनीक-आधारित फुटबॉल प्रशिक्षण - अनूठी एफ-क्यूब तकनीक है। इस पहल का उद्देश्य भारतीय फुटबॉल के विकास में योगदान देना है और साथ ही दुनिया के सबसे पसंदीदा खेल की शक्ति का उपयोग करके महिलाओं, बच्चों और लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना और उनका सामाजिक उत्थान सुनिश्चित करना है। हिंदुस्तान जिंक की अकादमी में राजस्थान, गुजरात, पश्चिम बंगाल, हरियाणा और झारखंड जैसे विभिन्न राज्यों की 20 लड़कियों का एक प्रारंभिक बैच होगा। इस महीने क्वालिफायर में मेजबान थाईलैंड को 2-1 से हराकर स्वीटी की कप्तानी में भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई किया।

भारतीय पहलवान रचना और अश्विनी अंडर-17 विश्व चैंपियन, मोनी उपविजेता

एथेंस, एजेंसी। मोनी को कजाकिस्तान की मदखिया उस्मानोवा के खिलाफ कड़े मुकाबले में 5-6 से मिली हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय पहलवान रचना (43 किग्रा) और अश्विनी विश्नोई (65 किग्रा) गुरुवार को अंडर-17 विश्व चैंपियनशिप में चैंपियन बनीं, जबकि मोनी महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक से चूक गईं। रचना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में चीन की शिन हुआंग को 3-0 से हराया जबकि अश्विनी ने उज्बेकिस्तान की मुखय्यो राखिमजोनोवा को इसी अंतर से मात दी। मोनी को कजाकिस्तान की मदखिया उस्मानोवा के खिलाफ कड़े मुकाबले में 5-6 से मिली हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। कोमल वर्मा ने 49 किग्रा वर्ग में देश को कांस्य पदक दिलाया। उन्होंने कांस्य पदक के प्ले-ऑफ में एनहेलिना बुर्किना को 8-3 से हराया।

भारत के कम से कम दो और पदक पक्के हो गए हैं जिसमें यशिता (61 किग्रा) और काजल (73 किग्रा) खिताबी मुकाबले में उतरेंगी जबकि मनीषा 69 किग्रा में कांस्य पदक के लिए चुनौती पेश करेंगी।

हालांकि, गुरुवार को सभी भारतीय पहलवान पोडियम तक नहीं पहुंच पाए। प्रीति यादव (40 किग्रा) और कशिश गुर्जर (46 किग्रा) क्वार्टर फाइनल में क्रमशः मैसी अन्ना क्लेयर इलियट और जैकलिन रोज़ बुज़ाकिस से हारकर बाहर हो गईं। सारिका 53 किग्रा भार वर्ग में जापान की रियोन ओगावा से हारकर क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गईं।

डब्ल्यूसीएल 2025:

पाकिस्तान के चैंपियंस बनने की राह में मुश्किल पैदा करेगा दक्षिण अफ्रीका

बर्मिंघम, एजेंसी। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 (डब्ल्यूसीएल) अपने अंतिम मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार है। एबी डिविलियर्स की अगुवाई में साउथ अफ्रीका चैंपियंस शनिवार को ग्रैंड फिनाले में पाकिस्तान चैंपियंस के खिलाफ आमने-सामने होगी। डब्ल्यूसीएल में इस साल एबी डिविलियर्स फाइनल का ताज पहनने और साउथ अफ्रीका के लिए खिताब पक्का करने को तैयार हैं। हाशिम अमला, इमरान ताहिर, वेन पार्नेल और क्रिस मॉरिस जैसे शानदार खिलाड़ियों की बदौलत, साउथ अफ्रीका चैंपियंस टीम ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस टीम पर शानदार जीत के साथ फाइनल में जगह बनाई।

वहीं, पाकिस्तान चैंपियंस टीम पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही है। मोहम्मद हफीज, शोएब मलिक, शरजील खान, और सईद अजमल जैसे खिलाड़ियों के दम पर टीम काफी मजबूत दिखाई दे रही है। फाइनल में भी टीम अच्छा प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी। यह एक ऐसा टूर्नामेंट है जहां पर दर्शकों को अपने चहेते खिलाड़ियों को देखने का मौका मिलता है। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड की ओर से इस टूर्नामेंट ने विश्व क्रिकेट के कुछ सबसे बड़े नामों को एक मंच पर लाने का सफल प्रयास किया। इस सीजन में युवराज सिंह, हरभजन सिंह, शिखर धवन, सुरेश रैना, क्रिस गेल, डीजे ब्रावो, ब्रेट ली, क्रिस लिन, शॉन मार्श, इयोन मोर्गन, मोइन अली, और सर एलेस्टेयर कुक जैसे सितारों ने दुनिया भर के प्रशंसकों को आकर्षित किया। यह सफर एक ऐतिहासिक पड़ाव पर पहुंच गया है और उत्सुकता बढ़ती जा रही है; दुनिया भर के लाखों प्रशंसक फाइनल मैच के लिए तैयार हैं। डब्ल्यूसीएल का ग्रैंड फिनाले सिर्फ क्रिकेट के बारे में नहीं है–यह विरासत, गौरव और खेल के प्रति प्रेम के बारे में है। इस रोमांचक मुकाबले का भारत में स्टार स्पोर्ट्स और फैनकोड पर रात 9:00 बजे सीधा प्रसारण किया जाएगा।

National Bank Open:

कोको गॉफ की एक और संघर्षपूर्ण जीत

अंतिम 16 में पहुंचीं, कुदेरमेतोवा को हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। कोको गॉफ को फिर से अपनी सर्विस पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ा लेकिन 14 डबल-फॉल्ट करने के बावजूद वह रूस की वेरोनिका कुदेरमेतोवा को तीन सेट तक चले मुकाबले में हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के अंतिम 16 में पहुंचने में सफल रही। पिछले दौर में हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी डेनियल कोलिंस के खिलाफ 23 डबल-फॉल्ट और तीसरे सेट के टाईब्रेकर से बचने के दो दिन बाद शीर्ष वरीयता प्राप्त गॉफ ने कुदेरमेतोवा को 4-6, 7-5, 6-2 से पराजित किया।

गॉफ का मुकाबला अब कनाडा की 18 वर्षीय खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको से होगा, जिन्होंने चेक गणराज्य की की मैरी बोजकोवा को 1-6, 6-3, 6-0 से हराया।

खालिद जमील बने भारतीय फुटबॉल टीम के नए कोच, AIFF ने किया एलान

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और वर्तमान में इंडियन सुपर लीग की टीम जमशेदपुर एफसी के मैनेजर 48 वर्षीय जमील को अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की कार्यकारी समिति ने तीन सदस्यों की सूची में से चुना है। अखिल भारतीय फुटबॉल संघ (एआईएफएफ) ने खालिद जमील को भारतीय फुटबॉल टीम का नया कोच नियुक्त किया है। शुक्रवार को एआईएफएफ ने इसका एलान किया। खालिद ने 2017 में आइजॉल फुटबॉल क्लब को आई-लीग खिताब दिलाया था। 13 वर्षों में पहली बार किसी भारतीय को भारतीय फुटबॉल टीम का नया कोच नियुक्त किया गया है।

तीन लोगों की सूची में से चुना गया: पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और वर्तमान में इंडियन सुपर लीग की टीम जमशेदपुर एफसी के मैनेजर 48 वर्षीय जमील को अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की कार्यकारी समिति ने तीन सदस्यों की सूची में से चुना है। अन्य दो दावेदार भारत के पूर्व मुख्य कोच स्टीफन कॉन्स्टेंटाइन और स्टीफन टारकोविक थे। स्टीफन पहले स्लोवाकिया की राष्ट्रीय टीम के कोच थे।

धनश्री वर्मा से तलाक पर युजवेंद्र चहल ने तोड़ी चुप्पी

जिंदगी से थक गया, सुसाइड करना चाहता था...

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा का इस साल मार्च में तलाक हो गया था. अब चहल ने धनश्री वर्मा से तलाक पर अपनी चुप्पी तोड़ी है. इस शादी में क्या-क्या गड़बड़ियां हुई, चहल ने इस बारे में खुलकर बात की. युजवेंद्र चहल ने कहा कि जब इस साल की शुरुआत में उनपर धोखाधड़ी के आरोप लगे थे और तलाक की अफवाहें तेज हो गई थीं, तो वो मानसिक तनाव से गुजरे. युजवेंद्र चहल ने कहा कि उनके मन में आत्महत्या के ख्याल आने लगे थे. चहल ने राज शमानी के यूट्यूब चैनल पर कहा, यह

काफी समय से चल रहा था. हमने तय किया कि जब तक उस स्थिति में नहीं पहुंचेंगे जहां से वापसी संभव न हो, हम कुछ नहीं कहेंगे. हम सोशल मीडिया पर एक सामान्य कपल की तरह ही रहेंगे. जब युजवेंद्र चहल से पूछा गया कि क्या उस वक्त वो सिर्फ दिखावा कर रहे थे, तो इस स्पिन गेंदबाज ने सिर हिलाकर हामी भरी. युजवेंद्र चहल कहते हैं, रिश्ता एक समझौते की तरह होता है. अगर एक नाराज होता है, तो दूसरे को सुनना पड़ता है. कभी-कभी दो लोगों का नेचर आपस में मेल नहीं खाता.

मैं इंडिया के लिए खेल रहा था, वह भी अपना काम कर रही थी. यह 1-2 साल से चल रहा था.

क्रिकेट से ब्रेक लेना चाहते थे चहल

युजवेंद्र चहल ने भावुक होते हुए कहा, मेरे मन में आत्महत्या के विचार आते थे, अपनी जिंदगी से थक चुका था. मैं 2 घंटे रोता था, बस 2 घंटे सोता था. ऐसा 40-45 दिनों तक चला. मैं क्रिकेट से ब्रेक चाहता था. मैं क्रिकेट में इतना व्यस्त था कि ध्यान केंद्रित नहीं कर पा रहा था. मैंने अपने दोस्त के साथ इन चीजों को शेयर किया.

युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा के तलाक पर फैसला 20 मार्च 2025 को मुंबई के बांद्रा हाईकोर्ट में आया था. चहल और धनश्री ने लंबे समय तक डेटिंग के बाद 22 दिसंबर 2020 को शादी की थी. चहल काफी समय से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं. चहल ने भारत के लिए अपना आखिरी मुकाबला जनवरी 2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था.

हर किसी की अपनी जिंदगी होती है

युजवेंद्र चहल ने कहा, मैं इधर भी टाइम दे रहा था, उधर भी, पर रिश्ते के बारे में सोचने का वक्त ही नहीं बचा. और फिर हर दिन लगता था कि छोड़ो, रहने देते हैं. हर किसी की अपनी ज़िंदगी होती है और अपने लक्ष्य होते हैं. एक पार्टनर के तौर पर आपको साथ देना होता है. युजवेंद्र चहल ने बताया, जब मेरा तलाक हुआ, लोगों ने मुझे धोखेबाज कहा. लेकिन मैंने जिंदगी में कभी किसी को धोखा नहीं दिया. मेरी दो बहनें हैं, और मैंने महिलाओं का सम्मान करना अपने माता-पिता से सीखा है. यह जरूरी नहीं है कि अगर मेरा नाम किसी के साथ जोड़ा जा रहा है, तो लोग व्यूज के लिए उसके बारे में कुछ भी लिखें.